RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 298 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 16 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

जंगलराज में बिहार से हुआ पलायन : योगी

बिहार में मुख्यमंत्री योगी की आज दो जनसभा

दानापुर (बिहार) (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बिहार दौर पर हैं। पटना एयरपोर्ट पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। यहां से वह पटना में मंत्री नितिन नवीन और पूर्व सांसद रामकृपाल यादव के नामांकन कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद दानापुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार में 1990 से 2005 तक जंगल राज था। जंगलराज के दौरान बिहार से बड़ी संख्या में पलायन हुआ, लेकिन एनडीए की सरकार ने उस कलंक को धोया है।

मुख्यमंत्री की आज सहरसा में भी जनसभा है। वह यहां भाजपा प्रत्याशी व निवर्तमान विधायक डॉ. आलोक रंजन के नामंकन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। दादनापुर में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बिहार लोकतंत्र की जननी है, भगवान बुद्ध की ज्ञान भूमि बिहार है और दानापुर आर्यभट्ट की जन्मभूमि है। यूपी और बिहार का सदियों पुराना नाता है। उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार की अगुवाई में काफी विकास कार्य हुए हैं। बिहार में 1990 से 2005 तक जंगल राज था। इस दौरान अपराधियों को संरक्षण मिलता था और बड़ी संख्या में अपराध बढ़ने के कारण लोगों का पलायन हुआ, लेकिन एनडीए की सरकार ने जंगल राज के उस कलंक को धो दिया है।

दिल्ली-एनसीआर में गुलाबी ठंड, प्रदूषण बढ़ने का डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में सर्दी की एंट्री होने लगी है। पहाड़ी राज्यों से आने वाली ठंडी हवाओं की वजह से मैदानी इलाकों के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। दिल्ली-एनसीआर में सुबह-शाम के वक्त गलाबी ठंड का अहसास होने लगा है। वहीं, सर्दियों की दस्तक के साथ ही दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने का डर भी सताने लगा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के मुताबिक, दिल्ली और आस-पास के इलाकों की हवा खराब होने लगी है. बीते 3 दिन से दिल्ली का औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एयर क्लालिटी इंडेक्स (AQI) 200 के पार दर्ज किया जा रहा है, जो कि खराब श्रेणी में आता है। सुबह 8 बजे के अपडेट के अनुसार, 237 AQI के साथ शहर की हवा खराब श्रेणी में दर्ज की गई है। आगामी दिनों में यह बहुत खराब श्रेणी में भी जा सकती है।

प्रदूषण को बढ़ने से रोकने और इस पर समय रहते काबू पाने के लिए GRAP-1 की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। मौसम विभाग (IMD) की मानें तो दिवाली से पहले ही यानी 17 एवं 18 अक्टूबर को दिल्ली के आसमान में हल्की धुंध देखने को मिल सकती है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक, 19 एवं 20 अक्टूबर को दिल्ली में हल्का कोहरा छाए रहने की भी संभावना है।

रैपिडो चालक से हथियार के बल पर लूटपाट

गाजियाबाद (ब्यूरो)। थाना शालीमार गार्डन क्षेत्र में खाना लेने गया रैपिडो चालक से बदमाशों ने लूटपाट की।

शालीमार गार्डन मेन में पंजाबी ढाबा पर रैपिडो चालक खाना लेने गए रवि पुत्र रामफल निवासी ए-121 शालीमार गार्डन मेन पंजाबी ढाबे पर खाना लेने गया था। जहां पर एक गाड़ी रास्ते में खड़ा कर तेज आवाज में गाना बजा रहे थे जिससे रवि ने आगे जाने के लिए रास्ता मांगा इतने में सभी लड़के कार से बाहर आए और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मार पिटाई करने लगे और हथियार से कनपटी पर लगाकर उसके पूरे दिन की कमाई 1500 लूट लिए। जिसकी शिकायत थाना शालीमार में किया था। पुलिस ने कोई सुनवाई नहीं की तब पीड़िता द्वारा डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल से किया डीसीपी के आदेश पर पुलिस ने (1) विष्णु भाटी (2)कृष भाटी 3 अज्ञात के खिलाफ गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

मकान में लगी भयंकर आग, सामान जलकर खाक

गाजियाबाद (ब्यूरो)। गाजियाबाद के विजयनगर क्षेत्र के प्रताप विहार सेक्टर-11 में स्थित आज सुबह एक मकान में भयंकर आग लग गई। आग के कारण मकान का सारा घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। फायर बिग्रेड की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

गाजियाबाद फायर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक प्रताप विहार सेक्टर-11 में रमेश भदौरिया के मकान में बृहस्पतिवार की सुबह अचानक आग लग गई। घरेलू सामान में लगी आग से इलेक्ट्रिक उपकरण जल गए। परिवार और किरायदारों ने घर से भागकर जान बचाई।

सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाने का प्रयास किया। हालांकि धुआं अधिक होने के चलते टीम बीए सेट पहनकर मकान में घुसी और हौज पाइप से पानी की बौछार कर करीब 50 मिनट में आग पर काबू पाया। सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि आग लाने के कारण स्पष्ट नहीं हैं। आग पर काबू पा लिया गया है कोई जनहानि नहीं हुई है।

एल्विश यादव व फाजिलपुरिया के खिलाफ चार्जशीट दायर

गाजियाबाद (ब्यूरो)। ईडी लखनऊ जोनल मुख्यालय ने फेमस यूट्यूबर एल्विश यादव और पंजाबी सिंगर राहुल यादव उर्फ फाजिलपुरिया समेत चार के खिलाफ गाजियाबाद पीएमएलए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। कोर्ट ने इस मामले में आरोपितों को पक्ष रखने के लिए समन जारी किया है। आरोपितों का पक्ष सुनने के बाद कोर्ट आगे की कार्यवाही करेगा।

ईडी लखनऊ जोनल मुख्यालय ने एल्विश यादव, राहुल यादव उर्फ फाजिलपुरिया, चंडीगढ़ की कंपनी स्कॉय डिजिटिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और इस कंपनी के संचालक गुरकरन सिंह धालीवाल के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है। ईडी की जांच में आरोपितों द्वारा सांपों का व्यावसायिक इस्तेमाल किए जाने के आरोपों की पुष्टि हुई है।

स्कॉय डिजिटल कंपनी द्वारा म्यूजिक वीडियो में सांपों का व्यावसायिक इस्तेमाल कर करोड़ों रुपये कमाए गए। जोकि कानूनन अपराध है। ईडी की पड़ताल के मुताबिक, कंपनी ने चार गानों के लिए सिंगर फाजिलपुरिया को एक करोड़ रुपये का भुगतान किया। जबकि यूट्यूब वीडियो से एल्विश ने भी लाखों रुपये की कमाई की। ईडी ने इन दोनों की ही कमाई को अपराध से हुई आय मानते हुए अटैच कर लिया है। ईडी ने इस मामले में वर्ष 2024 में सितंबर माह में एल्विश और फाजिलपुरिया को राजधानी स्थित जोनल कार्यालय में बुलाकर पूछताछ की थी। एल्विश और फाजिलपुरिया ने अपने गाने 32 बोर में सांपों का इस्तेमाल किया था।

मेरठ व गाजियाबाद की पुलिस टीम बनी विजेता

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के अन्तर्गत रिजर्व पुलिस लाइन्स के खेल मैदान पर चल रही मेरठ जोन की 28वीं अंतरजनपदीय पुलिस वॉलीबॉल क्लस्टर (वॉलीबॉल एवं सेपक टकरा) (पुरुष/महिला) प्रतियोगिता-2025 के फाइनल मैच में मेरठ व गाजियाबाद की टीम ने जीत दर्ज की है।

सेपक टकरा (पुरुष वर्ग) का फाइनल मुकाबला जनपद मेरठ एवं जनपद बागपत के बीच खेला गया, जिसमें जनपद मेरठ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जनपद बागपत को 2-1 से पराजित कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा किया।

वॉलीबॉल (पुरुष वर्ग) का फाइनल मैच कमिश्नरेट गाजियाबाद एवं जनपद मेरठ के बीच खेला गया, जिसमें कमिश्नरेट गाजियाबाद की टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए जनपद मेरठ को 3-1 से हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। (शेष पृष्ठ-4 पर)

एटीएम में रुपये निकलने की जगह लगा तो नहीं है काला टेप

नोएडा (चेतना मंच)। भीड़भाड़ वाले एटीएम मशीनों को निशाना बनाकर बड़े ही शातिराना तरीके से रूपये निकालने वाले गिरोह के 4 बदमाशों को थाना फेस-3 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरोह में शामिल बदमाश एटीएम मशीनों में रुपये निकलने वाली जगह पर काला टेप लगा देते थे। इसके साथ ही कई लोगों के एटीएम कार्ड बदलकर भी मशीन से रूपये निकाल लेते थे। थाना फेस-3 पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक गिरोह के चार बदमाशों को पकड़ा है। ग्राम ममूरा में कुआँ चौक पर स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम में महिला के साथ धोखाधड़ी कर एटीएम कार्ड चोरी करके रूपये निकालने की घटना में यह बदमाश शामिल थे। पुलिस ने इन्हें मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार गोपाल, नवलेश सिंह, धर्मेन्द्र व पंकज कुमार ने बताया कि वह लोग बिहार के रहने वाले हैं तथा ग्राम नया गांव में इन दिनों मकान किराये पर लेकर रह रहे हैं। यह लोग काली टेप लेकर एटीएम मशीन के रूपये निकासी द्वार पर लगा देते थे। कई बार रूपये निकाले आए लोग रूपये बाहर न आने पर बिना रूपये लिए चले जाते थे बाद में यह लोग टेप निकालकर रूपये बांट लेते थे। वहीं कई बार मदद के बहाने एटीएम कार्ड भी बदलकर भी धोखाधड़ी करते थे।

उत्तर प्रदेश के एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने आज नोएडा में 'स्वदेशी मेले-2025' का भ्रमण किया। इस दौरान मंत्री ने मेले में स्टॉल लगाने वालों से बातचीत की और उनके कार्यों की सराहना भी की।

नोएडा शहर में आज भिड़ेंगे देश भर के पहलवान

सेक्टर-15 में शुरू हुआ अखिल भारतीय ऋषिपाल दंगल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता तथा किसान नेता स्वर्गीय चौधरी ऋषिपाल सिंह की याद में हर साल आयोजित किया जाने वाला दंगल शुरू हो चुका है। इस खास दंगल का आयोजन ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट के द्वारा कराया जाता है। नोएडा के सेक्टर-15 में 31वां राष्ट्रीय दंगल में पूरे भारत के प्रसिद्ध पहलवान कुश्ती का जौहर दिखाएंगे। इस दंगल में सबसे बड़ी ईनामी कुश्ती जीतने वाले पहलवान को एक लाख रूपये तक का ईनाम दिया जाएगा। दंगल से पूर्व समाजसेवी स्व. चौधरी ऋषिपाल सिंह को ऋषिपाल ट्रस्ट व परिवारजनों (शेष पृष्ठ-4 पर)

एक्सप्रेस-वे के समानांतर बनेगा एलिवेटेड रोड

अपर मुख्य सचिव व प्राधिकरण के अध्यक्ष ने अफसरों संग की समीक्षा बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पुश्ता रोड पर एलिवेटेड बनाने की दिशा में प्राधिकरण ने एक कदम और बढ़ा दिया है। हाल ही में औद्योगिक अवस्थापन आयुक्त (आईडीसी) प्रदेश की अपर मुख्य सचिव तथा नोएडा प्राधिकरण के अध्यक्ष दीपक कुमार ने प्राधिकरण की समीक्षा बैठक की थी। इस बैठक में प्राधिकरण ने उनके समक्ष पुश्ता रोड पर एलिवेटेड परियोजना की पूरी जानकारी साझा की। उन्हें बताया गया कि किस तरह से यहां एलिवेटेड रोड की योजना को बनाया गया। बजट का हवाला देते हुए इसे एनएच घोषित करवाने की मांग भी रखी। साथ ही सिंचाई विभाग से जल्द एनओसी लेने का आग्रह किया गया।

बैठक में बताया गया कि इस रोड के बनने से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दिल्ली और नोएडा से सीधे कनेक्टिविटी मिल जाएगी। इसके अलावा नोएडा एक्सप्रेसवे ट्रैफिक भार कम हो जाएगा। जो वर्तमान में रोजाना 10 लाख वाहनों का आंकडा पार कर चुका है। ऐसे में यहां अक्सर जाम की संभावना बनी रहती है। हालांकि प्राधिकरण पहले भी इस प्रस्ताव को शासन स्तर पर चर्चा कर चुका है। अब आईडीसी से परियोजना के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की गई। उम्मीद है नवंबर तक सिचाई विभाग और शासन इस पर बड़ा कदम उठा सकता है।

बता दें कि इससे पहले लोक निर्माण विभाग ने पुश्ता एलिवेटेड की जानकारी मांगी थी। जिसमें निर्माण की लोकेशन, जरूरत, प्राथमिक डिजाइन और कनेक्टिविटी के बारे में जानकारी मांगी गई थी। ये जानकारी उनको भेजी जा चुकी है। प्राधिकरण ने बताया कि लोक निर्माण विभाग की ओर बनाई जाने वाली रिपोर्ट को शासन मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट हाइवे को भेजेगा। जिससे इस रोड को एनएच घोषित किया जा सके। एक बार एनएच घोषित होने के बाद इसका निर्माण एनएचएआई कराएगा। (शेष पृष्ठ-4 पर)

शिक्षा तंत्र की विफलता

यह आंकड़ा हमारे शिक्षा तंत्र की विफलता को दर्शाता है कि एक लाख से अधिक स्कूलों की पढ़ाई सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रही है। एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। शिक्षा मंत्रालय के हालिया आंकड़े बताते हैं कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में एक लाख चार हजार स्कूल ऐसे थे, जो केवल एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। इन स्कूलों में करीब पौने चौंतीस लाख विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। बताया जाता है कि आंध्र प्रदेश में ऐसे स्कूलों की संख्या सबसे ज्यादा थी, जबकि उसके बाद उत्तर प्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक और लक्षद्वीप का स्थान है। एक तो हमारे देश में शिक्षा का बजट पहले ही बहुत कम है, फिर उस धन का सही उपयोग नहीं हो पाता। इसमें दो राय नहीं कि प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा के गिरते स्तर के मूल में हमारे नीति-नियंताओं की अनदेखी ही प्रमुख कारक है। आखिर हम अपने नौनिहालों को कैसी शिक्षा दे रहे हैं? आखिर उनके बेहतर भविष्य की हम कैसे उम्मीद करें? जाहिर बात है कि एक शिक्षक सामाजिक विषय, भाषा, विज्ञान, अंग्रेजी और गणित में माहिर नहीं हो सकता। एक शिक्षक छात्रों की हाजिरी दर्ज करेगा या पढ़ाई कराएगा? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें पढ़ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेल, पीटी और योग जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है। लेकिन जब शिक्षक ही पर्याप्त नहीं होंगे तो शिक्षा के साथ चलने वाली गतिविधियों की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती है। निस्संदेह, हम छात्रों के बीमार भविष्य की बुनियाद ही रख रहे हैं। सही मायनों में स्कूलों का शिक्षकों की कमी से जूझना शिक्षा विभाग की नाकामी को ही दर्शाता है। यह हमारे सत्ताधीशों की संवेदनहीनता का भी पर्याय है। शिक्षकों की नियुक्ति में जिस बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामले विभिन्न राज्यों में सामने आए हैं, उससे शिक्षा विभाग की प्रदूषित कार्य संस्कृति का बोध होता है। आखिर क्या वजह है कि देश में प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त संख्या होने के बावजूद स्कूलों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है। यह स्थिति हमारे तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। एक समस्या यह भी है कि शिक्षक जटिल भौगोलिक स्थितियों वाले स्कूलों में काम करने से कतराते हैं। यदि इन स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति हो भी जाती है तो वे दुर्गम से सुगम स्कूलों में अपना तबादला ज्वाइन करने के तुरंत बाद करवा लेते हैं। जिसमें राजनीतिक हस्तक्षेप से लेकर विभागीय लेन-देन की भी शिकायत होती रहती है। यही वजह है कि शहरों व आसपास के इलाकों में स्थित स्कूलों में शिक्षकों की तैनाती जरूरत से ज्यादा भी देखी जाती है। कैसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि सड़कों पर बेरोजगारों की लाइन लगी हैं और स्कूलों में शिक्षकों के लाखों पद खाली हैं। बताया जाता है कि माध्यमिक व प्राथमिक विद्यालयों में करीब साढ़े आठ लाख शिक्षकों के पद खाली हैं। इसके बावजूद कि हमारे यहां प्रशिक्षित शिक्षकों की कोई कमी नहीं है। कहने को तो हमारे गाल बजाते नेता भारत को दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश कहते इतराते हैं, लेकिन इन नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि कुंठित होती युवा पीढ़ी के लिये उन्होंने क्या खास किया है? नौकरियों की भर्ती निकलती नहीं है। निकलती है तो पेपर आउट होने की खबरें आती हैं। सालों-साल उनके परिणाम नहीं निकलते। यदि परिणाम निकले भी तो फिर धांधली के आरोप लगने लग जाते हैं। फिर मामला वर्षों तक अदालतों में डोलता रहता है। विडंबना यह भी है कि आज सरकारी स्कूलों में गरीब व कमजोर वर्गों के बच्चे ज्यादा भर्ती होते हैं, इसलिए इन स्कूलों की तरफ कोई ध्यान नहीं देता। यदि सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों के बच्चों के लिये इन स्कूलों में पढ़ना अनिवार्य कर दिया जाए तो स्थिति बदल जाएगी।

आशा की किरण या अस्थायी विराम?

गाज़ा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं।

यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाज़ा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

> *अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे।*

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की कूटनीति की जीत से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाज़ा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागज़ों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाज़ा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाज़ा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

– ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि सीताजी चकित होकर चारों ओर देख रही हैं। मन इस बात की चिन्ता कर रहा है कि राजकुमार कहाँ चले गए। बाल मृगनयनी (मृग के छौने की सी आँख वाली) सीताजी जहाँ दृष्टि डालती हैं, वहाँ मानो श्वेत कमलों की कतार बरस जाती है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

लता ओट तब सखिन्ह लखाए। स्यामल गौर किसोर सुहाए॥
देखि रूप लोचन ललचाने। हरषे जनु निज निधि पहिचाने॥

तब सखियों ने लता की ओट में सुंदर श्याम और गौर कुमारों को दिखलाया। उनके रूप को देखकर नेत्र ललचा उठे, वे ऐसे प्रसन्न हुए मानो उन्होंने अपना खजाना पहचान लिया॥

थके नयन रघुपति छबि देखें। पलकन्हिहूँ परिहरीं निमेषें॥
अधिक सनेहँ देह भै भोरी। सरद ससिहि जनु चितव चकोरी॥

श्री रघुनाथजी की छबि देखकर नेत्र थकित (निश्चल) हो गए। पलकों ने भी गिरना छोड़ दिया। अधिक स्नेह के कारण शरीर विह्वल (बेकाबू) हो गया। मानो शरद ऋतु के चन्द्रमा को चकोरी (बेसुध हुई) देख रही हो॥

लोचन मग रामहि उर आनी। दीन्हे पलक कपाट सयानी॥
जब सिय सखिन्ह प्रेमबस जानी। कहि न सकहिं कछु मन सकुचानी॥

नेत्रों के रास्ते श्री रामजी को हृदय में लाकर चतुरशिरोमणि जानकीजी ने पलकों के किवाड़ लगा दिए (अर्थात नेत्र मूँदकर उनका ध्यान करने लगीं)। जब सखियों ने सीताजी को प्रेम के वश जाना, तब वे मन में सकुचा गईं, कुछ कह नहीं सकती थीं॥

(क्रमशः..)

विकृत ऋतुचक्र में दिवाली का चहुंमुखी महत्त्व

ऋतुचक्र अव्यवस्थित है। मेरे जीवनकाल में संभवतः प्रथम अवसर है, जब निज दृष्टि दशहरा से लेकर दिवाली तक के दिवसों में वर्षा, आंधी, चक्रवात, भूस्खलन, मेघ विस्फोट, अतिवृष्टि तथा तुषारापात की साक्षी बनी है। रामलीला आरंभ होने की अवधि से लेकर दिवाली तक तो ऋतु समशीतोष्ण हुआ करती थी। श्रावण, भाद्रपद व आश्विन माहों द्वारा उत्पन्न प्राकृतिक संपदाएं एकत्र करने की ऋतु होती थी कार्तिक। किंतु इस वर्ष ये क्या हो गया! संपूर्ण हिमालयी पर्वत श्रृंखला पूष की भांति हो गई है। पर्वत-पर्वत तुषारावृत्त हैं। वहां से लेकर मैदानी नगरों-महानगरों तक शीत लहर परिव्याप्त है। कार्तिक माह में ही धरा अति नम होकर मनुष्य की संतुलित मनोवृत्ति को खंडित कर रही है। प्रायः समशीतोष्ण ऋतु प्रभाव से संतुलित रहने वाले संवेदनशील मनुष्यों के मन, हृदय व आत्मा, तीनों प्रस्तर अवसादग्रस्त हैं। हां, जो मानव मशीनी सोच-विचार व वैज्ञानिक मस्तिष्क के साथ जीवन में उपस्थित हैं, उन पर ऐसे ऋतु असंतुलन का कोई व कुछ भी अच्छा-बुरा प्रभाव नहीं है। वे अपने भ्रमित, स्वप्निल, क्षणभंगुर व समाप्तप्रायः जीवन को चिर-स्थिर समझ कर धन-संसाधन एकत्र करने की गतिविधियों में संलिप्त हैं। उन्हें कार्तिक मास में पूष मास की ऋतुगत उपस्थिति पर कोई आश्चर्य नहीं है। वे विस्मृतियों के पुतले बनते जा रहे हैं।

उन्हें व्यतीत दिवस, रात्रि, सप्ताह, माह, वर्ष, पंचतत्वों, जीवन व जैविक गतिविधियों से कोई सरोकार नहीं है। वे प्रगतिवान हैं। वे आगे बढ़ रहे हैं। लक्ष्यहीन होकर कहां जा रहे हैं, ये न उन्हें ज्ञात है तथा न ही उनके आधुनिक मार्गदर्शकों को। इन दिनों दिवाली के स्वागत कार्यक्रम हो रहे हैं। भारतवर्ष प्राकृतिक एवं आधुनिक आपदाओं को भूलकर हर्षोल्लास में डूबा हुआ है। ऐसा होना स्वाभाविक है। कार्तिक माह का दीपोत्सव है ही ऐसा, जो बीती कितनी ही समस्याओं व दुःखों को भुलाकर आधुनिक ढंग से ही सही, किंतु एक उत्सवजन्य प्रेरणा तो प्रदान करता ही है। आज से बीस, तीस, चालीस या अधिक वर्ष पीछे लौटकर कार्तिक मास के दीपोत्सवी अनुभवों का स्मरण करें तो मन-हृदय व्याकुल हो उठते हैं। तब क्या ऋतु छवि होती थी! कार्तिक मास व्यस्त समय होता था! जन-जन अक्षत खाद्यान्न श्रृंखला के अनेक उत्पादों को एकत्र-संग्रहीत करने खेतों में कार्यव्यस्त होते थे। धान की मनहर सुगंध वायु में प्रसारित रहती थी। जीवन प्राकृतिक व्यवस्था के अधीन एक अथाह आनंद, शांति व संतुष्टि का पर्याय हुआ करता था। कार्तिक माह में जलवायु अनुकूल होती थी। न अधिक ग्रीष्म और न अधिक शीत। पूर्णतः समशीतोष्ण। अधिसंख्य मानवों के तन स्वस्थ एवं मन शांत-संतुलित होते थे। दीपावली से एक माह, एक सप्ताह पूर्व का वातावरण कितना उमंगित हुआ करता। मनुष्य जीवन में सुख की पराकाष्ठा होता था ऐसा वातावरण। मनुष्य जीवन की जैसी अनुकूल गति होनी चाहिए, कदाचित जीवन वैसा ही होता। क्षितिज श्रृंखलाएं मद्दिम धुंध के आवरण में होतीं। सूर्यप्रकाश में तीव्रता, तीक्ष्णता एवं पीताभा की अधिकता होती। प्रमुख खाद्यान्न के रूप में धान की कटाई, छंटाई, एकत्रीकरण एवं भंडारण की गतिविधियां लोकोत्सव में परिवर्तित रहतीं। खेत-खलिहान लोक संस्कृति के वाहक हुआ करते। गीत-संगीत में विशुद्ध मानवता से लेकर पवित्र प्रेम तक के गहन अनुभव होते। संपूर्ण ग्रामीण जीवन किसी स्वर्गिक चलचित्र की भांति प्रदर्शित होता। प्रकृति का मान-सम्मान, स्वागत-सत्कार तथा ऋतुगत अभिवादन-अभिनंदन होता। इन परिस्थितियों में मानवीय सद्गुणों एवं सद्भावनाओं का स्वाभाविक संचारण होता। दुर्गुणों से मानव दूर होता।

दीपावली में ग्रामीण हाट-मेले व्यापार व वाणिज्य के स्वदेशी संस्करण बने रहते। मिट्टी के दीपक, शुद्ध सरसों का तेल, विषैले मिश्रण से मुक्त खील-बताशे व मिष्ठान, इत्यादि सब कुछ धरती के साथ प्राकृतिक संबंध का आधार बनते। कार्तिक मास, ज्योति उत्सव, उत्सवी कार्यक्रम, गतिविधियों, हलचल, उमंग-तरंग, हर्षोल्लास के धार्मिक-आध्यात्मिक सूत्र हिंदुओं के पौराणिक ग्रंथ रामायण से संबद्ध होते। दिवाली से एक-डेढ़ माह पूर्व रामलीलाओं का मंचन आरंभ होता। अक्षत खाद्यान्न की श्रेणी वाले समस्त कृषि उत्पादों के समुचित भंडारण के उपरांत लोगों के पास आगामी कृषि उत्पादन में व्यस्त होने से पूर्व जो रिक्त समय होता, उसमें वे रामलीलाओं का आयोजन करते। यह उपक्रम सदियों से एक महान परंपरा में परिवर्तित होता रहा, जो आधुनिक विसंगतियों के साथ संपन्न तो आज भी रहा है, किंतु अब इसमें महानता व गंभीरता अदृश्य है। अब यह एक व्यावसायिक औपचारिकता हो गया है। अब यह एक नीरस उत्सवी अभ्यास हो चुका है, जो लोक संस्कृतियों, प्रकृतिवत होने की जीवन-युक्तियों, मानवता-सज्जनता की संगतियों से पृथक हो चुका है। अब दिवाली के लिए जो व जैसी भी आधुनिक परिस्थितियां हों अथवा जैसी भी प्राकृतिक विकृतियां उपस्थित हों, दीपक के प्राकृतिक एवं पुरुषोत्तम महत्त्व के साथ मनुष्यों का जुड़ाव आवश्यक है। मानवों के अंदर धीरे-धीरे समाप्त होते मानवीयता के गुणों की रक्षा के लिए अब दिवाली जैसी पारंपरिक पद्धतियों का ही सहारा है। भारत के होली-दिवाली जैसे पारंपरिक त्योहार ही हैं, जो मनुष्यों को पुनः मनुष्यता की प्राकृतिक भावनाओं के साथ जोड़ सकते हैं। भारत हो या कोई भी अन्य देश, वहां मानवता की पुनर्स्थापना के लिए अब परंपरागत त्योहारों की भूमिका ही अधिक होगी। जिस प्रकार आधुनिकता का जीवन-चरित्र मानव को मन से खोखला कर रहा है, उस स्थिति में भला दुनिया के सामने पारंपरिक त्योहारों के अतिरिक्त कौनसे उपाय हैं, जो मानव-जीवन को पुनः समुचित व संतुलित बना सकेंगे। वास्तव में आधुनिक प्रगति की तीव्र यात्रा में अधिसंख्य मानव ये भूल ही जाते हैं कि उनके पास जीवन के अधिक वर्ष नहीं हैं। वे इस सत्य के साथ खड़े ही नहीं रहते कि छोटे-से जीवनकाल में उनके पास जीवन को पहले आधुनिकता के प्रयोग में लगाकर, और इसमें विफल होने पर, बाद में प्राकृतिक प्रयोग में लगाने के लिए, न तो समय और न ही अवसर ही है।

यदि ध्यानपूर्वक सोचें तो यही पता चलेगा कि आधुनिकता का हर चरण अंततः एक निष्फल एवं अमानवीय दुर्गति को प्राप्त होता है। वन, ग्राम, परंपरा एवं मानवता को छोड़कर आधुनिक चाल-चलन अपनाने वाले मानवों के पास अंततः कोई विशेष उपलब्धि नहीं होती। इस सत्य को आत्मसात करते हुए जीवन को पारंपरिक लगन के साथ जीना होगा। परंपरा का अग्रणी उत्सवधर्म है दिवाली। इससे जुड़ें। प्राकृतिक होकर इसमें सम्मिलित हों। धार्मिक होकर इसे समझें। आध्यात्मिक होकर इसके मर्म को जानें। इसकी जीवंत ऊर्जा से जीवन का उद्देश्य पहचानने की शक्ति प्राप्त करें। दिवाली के पौराणिक कथा-आधार रामायण के शिक्षातत्त्व से परिचित होने का प्रयास करें। इस समय जीवितावस्था में जीवन में उपस्थित लोगों को जो भी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष अथवा आधुनिक-प्राकृतिक आघात लग रहे हैं, उनका समाधान आध्यात्मिक साधना द्वारा ही प्राप्त हो सकेगा, और दिवाली में दिवाली का प्राकृतिक वातावरण इस साधना के लिए मनुष्य को आत्मप्रेरणा अवश्य प्रदान करता है। दीपज्योतियों की ऊष्मा में जीवन को नवीन दृष्टि से देखने का अवसर है भारतीयों के पास। ऐसा अवसर प्राप्त कर इससे लाभान्वित होना चाहिए। यह प्रगति एवं आधुनिकता के आत्मदंश से सुरक्षित रहने का श्रेष्ठ प्राकृतिक उपाय है।

-विकेश कुमार बडोला, स्वतंत्र लेखक

राशिफल

कार्तिक माह, कृष्ण पक्ष, दशमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम मैं तू तू मैं मैं से बचें और विद्यार्थीगण कोई नहीं लिखने पढ़ने की शुरुआत अभी थोड़ा रोक दें एक-दो दिन।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
मां के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। भूमि, भवन और वाहन की खरीदारी सायं काल से पहले निपटा लें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
मिथुन राशि की स्थिति अच्छी कही जाएगी लेकिन व्यापारिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा। नाक, कान, गले की परेशानी संभव है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
सायं काल के बाद धनार्जन होगा लेकिन निवेश वर्जित रहेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी लेकिन वाणी पर विराम रखेंगे।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
घबराहट बेचैनी बनी रहेगी। स्वास्थ्य प्रभावित है। प्रेम, संतान, अच्छा है। व्यापार अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
खर्च का अधिकता मन को परेशान करेगी। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा अज्ञात भय सताएगा। प्रेम, संतान अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आय में उतार चढाव बना रहेगा लेकिन नुकसान नहीं होगा। स्वास्थ्य ठीक-ठाक। यात्रा कष्टकारी लेकिन लाभप्रद।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
कोर्ट कचहरी से बचें। विवाद बढ़ सकता है। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार मध्यम है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
भाग्य पर भरोसा करके कोई कार्य मत करिएगा। थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता होगी। यात्रा कष्टप्रद होगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वयं के स्वास्थ्य और जीवनसाथी के साथ और स्वास्थ्य दोनों पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा लेकिन डिस्टरबेंस बना रहेगा। स्वास्थ्य प्रभावित। प्रेम, संतान मध्यम।

शारदा विश्वविद्यालय, में एमएसएमई मंत्रालय के बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र का हुआ उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शारदा विश्वविद्यालय ने एमएसएमई मंत्रालय की नवीन (आईपीआर) योजना के तत्वावधान में एक बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र (शारदा–आईपीएफसी) की स्थापना की है। शारदा–आईपीएफसी बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित सभी मामलों में एमएसएमई को पूर्ण सहायता प्रदान करने हेतु एक उत्कृष्टता केंद्र बनने के दृष्टिकोण के साथ कार्य करेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य पेटेंट, डिज़ाइन, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और भौगोलिक संकेतों सहित उनकी संपूर्ण बौद्धिक संपदा की पहचान, कानूनी सुरक्षा और लाइसेंसिंग में पूर्ण सहायता प्रदान करना है।

शारदा विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. सिबाराम खारा ने शारदा–आईपीएफसी की वेबसाइट भी लॉन्च की। आईपीएफसी की स्थापना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो उद्यमियों, छात्रों और शिक्षकों के बीच नवाचार, अनुसंधान और बौद्धिक संपदा जागरूकता को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। केंद्र का उद्देश्य नवप्रवर्तकों को उनके बौद्धिक संपदा अधिकारों की रक्षा करने और रचनात्मकता और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने में सहायता करना है।

डीन रिसर्च डॉ. भुवनेश कुमार ने कहा कि यह केंद्र न केवल स्थानीय MSMEs को उनके नवाचारों की सुरक्षा में मदद करेगा, बल्कि नवाचार, शोध और उद्यमशीलता की भावना को भी बढ़ावा देगा। शारदा–IPFC, बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट केंद्र बनने की दिशा की ओर अग्रसर है।

भारत सरकार के राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी) के वरिष्ठ प्रबंधक डॉ. संजीव कुमार मजूमदार ने कहा किबौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र, जो सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बौद्धिक संपदा संरक्षण प्रदान करने में सहायता करने वाला एक संगठन है, या इंटरलाइन पावर फ्लो कंट्रोलर, एक विद्युत इंजीनियरिंग उपकरण जो AC पावर सिस्टम में विद्युत प्रवाह का प्रबंधन करता है। अन्य अर्थों में IPFC अकादमी, वित्त और लेखा के लिए एक ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करता है।

इस कार्यकर्म के दौरान प्रो वाइस चांसलर डॉ परमानंद, डॉ. अमित सहगल, डॉ. मोहित साहनी, प्रो. अविनाश कुमार, डॉ. मधुकर देशमुख, और फैकल्टी मेंबर्स आदि उपस्थित रहे।

कुलेसरा के भू-माफियाओं का लखनावनी की जमीन पर कब्जा, बेंचने की बना रहे योजना

फर्जी अधिवक्ता खेल का मुख्य सूत्र धार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कुलेसरा गांव के कुछ भूमाफिया मिलकर लखनावनी गांव के हिंडन नदी के डूब क्षेत्र की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर उस पर मिट्टी से भरने और प्लाटिंग करने का काम शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, इन भूमाफियाओं ने करोड़ों रुपए मूल्य की जमीन पर कब्जा कर इसे बेचकर मालामाल होने की योजना बनाई है। सूत्रों के मुताबिक, यह अभियान काफी समय से चल रहा है।

ये भूमाफिया जहां भी खाली सरकारी जमीन देखते हैं, उसे कब्जा कर तुरंत बिक्री के लिए तैयार कर देते हैं। कुलेसरा में ही इन भूमाफियाओं ने पहले एलएमसी की जमीन बेचकर मोटा लाभ कमाया था।

जांच में यह भी सामने आया है कि इस अवैध कब्जा अभियान में स्थानीय पुलिस और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत की आशंका है। साथ ही, एक फर्जी अधिवक्ता भी इसमें शामिल है, जो खुद को अधिवक्ता बताकर अधिकारियों के जरिए इन भूमाफियाओं की मदद करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस खेल में कुलेसरा के एक राजनीतिक पार्टी का कददावर नेता भी शामिल है। इस पूरी घटना से आम जनता परेशान है, क्योंकि गरीब लोग इस अवैध गतिविधि के कारण जमीन और संपत्ति खोने के कगार पर हैं।

बताया जाता है कि उक्त फर्जी अधिवक्ता के भाई ने कुलेसरा की एलएमसी बेचकर करोड़ों रुपये गबन कर चुका है।

आवासीय भूखण्ड की मांग को लेकर किसानों का जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले गांवों के किसान शेष 4 प्रतिशत आवासीय विकसित भूखण्ड की मांग को लेकर सूरजपुर स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। किसानों ने एक ही नारा लगाते हुए एक ही नारा, एक ही मांग, शेष चार प्रतिशत प्लॉट दो कहा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

किसानों का आरोप है कि ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण अधिकारियों ने पहले उन्हें यह आश्वासन दिया था कि यदि वे कोर्ट का रुख नहीं करेंगे तो भी लाभ दिया जाएगा, लेकिन बाद में केवल कोर्ट जाने वाले किसानों को ही 10 प्रतिशत आवासीय विकसित भूखण्ड देने की नीति लागू कर दी गई। वहीं, जो किसान कोर्ट नहीं गए उन्हें केवल 6 प्रतिशत भूखण्ड दिए जाने का निर्णय किया गया। किसानों का कहना है कि यह भेदभाव संविधान द्वारा सुनिश्चित समानता के अधिकार के खिलाफ है।

किसानों ने बताया कि पहले 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा सभी को समान रूप से दिया गया था। इसलिए अब भी सभी किसानों को समान रूप से 10 प्रतिशत शेष भूखण्ड मिलना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि जो किसान कोर्ट नहीं गए, उन्हें भी समान अधिकार प्रदान किए जाएँ।

किसान अपने हक के लिए दृढ़ संकल्पित हैं और चेतावनी दी है कि जब तक प्रशासन, शासन और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण उनकी मांग पूरी नहीं करता, उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायालय के आदेश में कहीं यह नहीं लिखा गया है कि कोर्ट न गए किसानों को शेष 4 प्रतिशत प्लॉट नहीं दिया जाएगा।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती पर आयोजित किया कार्यक्रम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा, गौतमबुद्ध नगर द्वारा भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली रहे।

कुंवर बासित अली ने अपने संबोधन में डॉ. कलाम के विज्ञान, रक्षा और मिसाइल विकास में असाधारण योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका आत्मनिर्भर भारत का सपना भाजपा सरकार लगातार साकार करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सैयद अहसान अख्तर, नेता अल्पसंख्यक मोर्चा गौतमबुद्ध नगर की सराहना की।

कार्यक्रम की शुरुआत भाजपा गौतमबुद्ध नगर के महामंत्री धर्मेंद्र कोरी ने की। इसके बाद सैयद अहसान अख्तर ने डॉ. कलाम के मिसाइल और सैटेलाइट परियोजनाओं तथा डीआरडीओ में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है और उनका "Made in India" और "Self Reliant India" का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। भाजपा उपाध्यक्ष सत्येन्द्र नगर और सुनील भाटी ने भी डॉ. कलाम के देशभक्ति और सेवा भाव की प्रशंसा की।

इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से अफरोज आलम (प्रदेश कोषाध्यक्ष, अल्पसंख्यक मोर्चा), दिलशाद चौहान (क्षेत्रीय उपाध्यक्ष), अर्पित तिवारी (मंडल अध्यक्ष), नईम खान, अयूब सैफी, अज़ीम सलमानी, एडवोकेट सैफी, हज्जन ज़ैतून और अफ़ज़ल मलिक शामिल थे।

जनसेवा ही हमारा मुख्य उद्देश्य : अमित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं वार्ड नंबर–4 से जिला पंचायत सदस्य पद के भावी उम्मीदवार अमित भाटी एडवोकेट ने कई गांव का दौरा का लोगों से संपर्क को उनकी समस्याओं को सुना और उसे निस्तारित करने का आश्वासन दिया लोगों से जनसंपर्क करने के बाद एक बात चीत के दौरान अमित भाटी एडवोकेट ने कहा कि जन सेवा ही हमारा मुख्य उद्देश्य है और अब की बार पंचायत के चुनाव में मैं पूरी ईमानदारी के साथ चुनावी समर में उतरा हूं। उन्होंने कहा कि जनता का प्यार सराहना से ही चुनाव जीतने का काम करूंगा।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश सरकार की सहन करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने साढ़े आठ साल के कार्यकाल में प्रदेश की तस्वीर बदलने का जो काम किया है। उसे लेकर हम चुनावी समर में उतर रहे हैं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में जो विकास किया है वह स्वागत के योग्य है। उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश की जनता भाजपा सरकार की सराहना करते नहीं थक रही है।

बालिकाओं को स्वच्छता व पोषण के प्रति किया जागरूक

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार के पोषण माह 2025 के अंतर्गत दनकौर में समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बाल विकास परियोजना अधिकारी संध्या सोनी ने की। इस अवसर पर डॉ. अनंत श्रीवास्तव (प्रिंसिपल, बायोमेडिकल साइंसेज विभाग, गलगोटिया यूनिवर्सिटी, ग्रेटर नोएडा), पूनम (स्माइल फाउंडेशन) तथा रोहित (लेसीन फाउंडेशन) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन मुख्य सेविका ममता तिवारी द्वारा किया गया। बाल विकास परियोजना अधिकारी संध्या सोनी ने अतिथियों का स्वागत फूल गमले भेंट कर किया और कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस वर्ष पोषण माह 2025 की थीम 'संपूर्ण पोषण स्वस्थ जीवन की नींव' रही। इस थीम के अनुरूप महिलाओं, बालिकाओं और परिवारों के बीच पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

कार्यक्रम के दौरान पोषण पाठशाला का आयोजन किया गया, जिसमें आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रतिभागियों ने व्यंजन प्रदर्शन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण एवं गीत प्रस्तुति के माध्यम से पोषण के महत्व पर जागरूकता फैलाई।

अपने संबोधन में संध्या सोनी ने कहा कि पोषण केवल भोजन तक सीमित नहीं है, यह जीवन की गुणवत्ता और भविष्य की नींव है। हर परिवार में पोषण के प्रति जागरूकता ही स्वस्थ समाज का आधार बनेगी।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं पोषण के प्रति जनजागरूकता फैलाना रहा। यह आयोजन जनहित के संदेशों के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com, raghuvanshirampal365@gmail.com, raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

जिलाधिकारी ने किसानों से संवाद कर क्रॉप कटिंग में दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने ग्राम चीरसी दनकौर, तहसील सदर में खरीफ 2025–26 की धान फसल की क्रॉप कटिंग का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने किसान वेम ग्राम शर्मा के खेत (गाटा संख्या 277) में 10–10–10 मीटर त्रिकोणीय क्षेत्रफल में फसल की कटाई करवाई, जिसमें 19.070 किलोग्राम धान प्राप्त हुआ। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्रॉप कटिंग प्रक्रिया पारदर्शी और वैज्ञानिक पद्धति से पूरी की जाए, ताकि उत्पादन का सटीक आंकलन सुनिश्चित हो सके।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, अपर सांख्यिकी अधिकारी अलका चौहान, लेखपाल शाहरुख खान, राजस्व निरीक्षक और बीमा कंपनी एआईसी के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

डीएम मेधा रूपम ने उज्ज्वला योजना लाभार्थियों को वितरित किए गैस सिलेंडर

नोएडा (चेतना मंच)। दीपावली के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत जनपद के पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी प्रदान की गई। जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए।

इस अवसर पर लखनऊ में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एन.आई.सी. सभागार के एलईडी स्क्रीन पर दिखाया गया, जिसे अधिकारियों, लाभार्थियों और उपस्थित जनसमूह ने देखा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने माताओं और बहनों के जीवन में सुविधा, सम्मान और सुरक्षा बढ़ाई है। दीपावली पर मिली यह सब्सिडी सरकार की जनकल्याणकारी सोच का प्रतीक है।

प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम ने बताया कि योजना के तहत अक्टूबर 2025 से दिसंबर 2025 तक तथा जनवरी 2026 से मार्च 2026 तक निशुल्क सिलेंडर रिफिल प्रदान की जाएगी। आज जनपद के 25 लाभार्थियों को 550.5 की प्रतीकात्मक सब्सिडी चेक वितरित किए गए। कुल सिलेंडर मूल्य 850.5 है, जिसमें 550.5 राज्य सरकार और 300 केंद्र सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में दी जाएगी।

कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम, आपूर्ति विभाग के निरीक्षक और अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर रेलवे

विद्युत लोको शेड गोरखपुर

भारत के राष्ट्रपति की ओर वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/टीआरएस/गोरखपुर, विद्युत लोको शेड गोरखपुर/पूर्वोतर रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु खुली ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नामः निविदा सूचना संख्याः **ELS-GKP-2025-LocoCleaning** "इलेक्ट्रिक लोको शेड, गोरखपुर में 2 वर्ष की अवधि के लिए कन्वेन्शनल और 3 फेज लोकोमोटिव के फिल्टर तथा इलेक्ट्रिक लोकमोटिव की धुलाई, स्क्रबिंग, सफाई, ब्लोइंग का कार्य" **अनुमानित लागत (रु. में) : ₹12,46,288.87 अग्रिम धन (रु. में): ₹24,900.00 निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹00.00 निविदा की अवधिः** 24 माह। ● ऑफर अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय 20.11.2025, 15:00 बजे तक एवं यह ई–निविदा 20.11.2025 को 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी। ● इस ई–निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी, न्यूनतम आहर्ताएं तथा नियम एवं शर्ते, रेलवे की वेबसाइट, www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है। ● निविदाकार, ई–निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस निविदा से संबंधित शुद्धि पत्र (यदि कोई हो) को वेबसाइट पर संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मं0वि0इंजी0/टीआरएस विद्युत लोको शेड/गोरखपुर

मुजाधि/विद्युत–162

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

खास खबर

दिल्ली-एनसीआर में अब पटाखों वाली दिवाली, सुप्रीम कोर्ट दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली पर पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की शर्तों के साथ मंजूरी दे दी है। देश की सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि दिवाली पर ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की छूट होगी। यह छूट 18 से 21 अक्टूबर तक के लिए दी गई है। दिल्ली सरकार ने देश की सबसे बड़ी अदालत का रुख करते हुए ग्रीन पटाखों के लिए मंजूरी की मांग की थी। सरकार ने इसे आस्था का विषय बताया था। यह आदेश देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केवल उन ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल की मंजूरी होगी जिन्हें नेशनल इन्वॉयरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट और पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन की ओर से प्रमाणित कराया गया है। समय- सुप्रीम कोर्ट ने आतिशबाजी के लिए समय भी निर्धारित किया है। दिवाली के दिन सुबह 6 बजे से 7 बजे तक पटाखे जलाए जा सकते हैं और शाम को 8 बजे से 10 बजे तक इस्तेमाल की छूट होगी। बाहर से ना आए- सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में कहा है कि दिल्ली-एनसीआर में बाहर से पटाखे नहीं लाए जा सकते हैं। नकली पर नकेल- सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि यदि नकली ग्रीन पटाखे पाए जाते हैं तो लाइसेंस सस्पेंड किया जाए।

राज्यसभा के सबसे अमीर सांसदों में से एक होंगे आप के राजिंदर गुप्ता, पर कार नहीं; कितनी दौलत

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में राज्यसभा सीट के लिए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने राजिंदर गुप्ता को मैदान में उतारा है। राजिंदर गुप्ता के नाम पर कोई कार नहीं है और ना ही वह खेती की जमीन के मालिक हैं। इसके बाद भी उनकी संपत्ति 5053 करोड़ रुपये की है। इसकी जानकारी खुद उन्होंने नामांकन के दौरान दिए गए हलफनामे में दी है। ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन राजिंदर गुप्ता के पास कोई लोन भी नहीं है। यदि वह चुनाव में जीत हासिल करते हैं तो राज्यसभा में बैठने वाले सबसे अमीर सदस्यों में से एक होंगे। 24 अक्तूबर को जम्मू-कश्मीर की 4 और पंजाब की एक राज्यसभा सीट के लिए मतदान होना है। इसी दिन नतीजे भी शाम तक घोषित हो जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच के बाद निर्दलीय कैंडिडेट नवनीत चतुर्वेदी का नामांकन खारिज कर दिया गया है। उनके दस्तावेजों में खामी का हवाला दिया गया है। वहीं अब मैदान में राजिंदर गुप्ता और उनकी पत्नी मधु ही हैं। राजिंदर की पत्नी ने इसलिए नामांकन दाखिल किया था ताकि उनके पति का यदि किसी स्थिति में खारिज हो जाता है तो वह बैकअप कैंडिडेट के तौर पर रहें। अब जब नवनीत चतुर्वेदी का नामांकन खारिज हो गया और एक ही घर से दो कैंडिडेट हैं तो मधु गुप्ता नामांकन वापस ले लेंगी। इस तरह राजिंदर गुप्ता ही अकेले कैंडिडेट होंगे और वे निर्विरोध ही राज्यसभा पहुंच जाएंगे। राजिंदर गुप्ता ने बताया है कि उनके परिवार के पास 4,338 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है। इसके अलावा 615 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। गुप्ता मैट्रिक पास हैं, जब उनकी पत्नी मधु गुप्ता ने ग्रैजुएशन तक पढ़ाई की है। गुप्ता परिवार पत्नी मधु के नाम पर मधुराज फाउंडेशन का भी संचालन करता है। राजिंदर गुप्ता ने बताया है कि उनके खिलाफ नागपुर में 2021 में एक एफआईआर भी दर्ज हुई थी, जिसे उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी है। यह पहला मौका नहीं है, जब आम आदमी पार्टी ने किसी रईस कारोबारी को राज्यसभा भेजने का फैसला लिया है। इससे पहले सुशील गुप्ता को भेजा गया था, जो कई स्कूलों समेत तमाम प्रतिष्ठानों के मालिक हैं और अमीर लोगों में शुमार किए जाते हैं।

पाक फिर कर सकता है पहलगाम जैसा हमला, ऑपरेशन सिंदूर से घातक होगी भारत की कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने शनिवार को चेतावनी दी कि पाकिस्तान एक बार फिर पहलगाम जैसी आतंकी साजिश रच सकता है, क्योंकि उसके पास भारत से सीधे युद्ध करने की क्षमता और हिम्मत नहीं है। जम्मू में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया था। उन्होंने कहा, हमने उसकी चौकियों और हवाई ठिकानों को तबाह कर दिया। लेकिन हमें सतर्क रहना होगा, क्योंकि वह फिर कुछ करने की कोशिश कर सकता है। जनरल कटियार ने साफ कहा कि अगर पाकिस्तान कोई हरकत करता है तो भारत की जवाबी कार्रवाई और भी घातक होगी। उन्होंने कहा, अगर वे कुछ करते हैं तो हमारा जवाब पहले से कहीं ज्यादा घातक होगा। इसमें कोई शक नहीं। हम पूरी तरह तैयार हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि अगली कार्रवाई और निर्णायक होगी। पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपनी दुर्भावनापूर्ण नीतियों से बाज नहीं आएगा, क्योंकि उसके पास भारत से सीधे लड़ने की न तो क्षमता है और न ही साहस। उन्होंने कहा, भारतीय सेना पूरी तरह तैयार है और हमें जनता का पूरा समर्थन प्राप्त है।

दिल्ली में खतरों के बीच चल रहे बड़े-बड़े झूले, सुरक्षा नियमों की खुलेआम अनदेखी

नई दिल्ली, एजेंसी। हर साल दशहरा और दीवाली के मौके पर दिल्ली-एनसीआर के कई मैदानों में मेले सजते हैं। रंग-बिरंगे फेरिस व्हील, कार्निवल झूले और विशालकाय जहाज जैसे झूले बच्चों से लेकर बड़ों तक को लुभाते हैं। लेकिन इनकी चमक-दमक के पीछे छिपा है एक डरावना सच। इनमें से ज्यादातर झूले बिना किसी ठोस सुरक्षा जांच के चलाए जाते हैं। सितंबर के आखिरी हफ्ते में पश्चिम दिल्ली के एक मेले में एक महिला फेरिस व्हील पर अपनी सीट से फिसलकर हवा में लटक गई। वहां सेफ्टी बेल्ट का नामोनिशान नहीं था। रोहिणी में एक झूला पलटते-पलटते बचा और कापसहेड़ा में एक युवती की जान चली गई। ये हादसे बता रहे हैं कि मस्ती के इन झूलों में कितना बड़ा जोखिम छिपा है।

क्या है जमीनी हकीकत : कागजों पर तो मेले के आयोजकों को जिला मजिस्ट्रेट से परमिट लेना होता है, जिसके लिए दिल्ली पुलिस और एमसीडी से सुरक्षा और मशीनों की फिटनेस की मंजूरी चाहिए। एमसीडी का इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल विभाग झूलों की जांच करता है। इसमें सैंडबैग से लोड टेस्ट, सेफ्टी बेल्ट चेक और आपातकालीन योजना की जांच की जाती है। लेकिन हकीकत में ये नियम सिर्फ फाइलों तक सिमटे रहते हैं।

पंजाबी बाग और पश्चिम विहार के मेलों में हाल ही में की गई जांच में न तो कोई आपातकालीन योजना दिखी, न ही फिटनेस सर्टिफिकेट थे। एक ऑपरेटर ने तो साफ कहा, टेस्ट बस खानापूर्ति है। बनारस से पंजाबी बाग मेले में काम करने आए 25 साल के सोनू गुप्ता बताते हैं, मैंने 10 साल में सब कुछ ऑन-द-जॉब सीखा। सोनू और उनकी छोटी सी टीम कई झूलों को संभालती है, जिन्हें ऑफ-सीजन में मुंडका के गोदाम में रखा जाता है।

मेले में काम करने वाले 20 साल के नीलेश कुमार कहते हैं, हमें पता है ये खतरनाक है। अगर कोई खराबी दिखती है, तो हम रुक जाते हैं। लेकिन बारिश के बाद मैदान कीचड़मय हो जाता है, फिर भी मालिक कहते हैं- चालू करो। इस बार हमने मना कर दिया। कोई आधिकारिक निरीक्षण या मरम्मत टीम नहीं है, सब कुछ ऑपरेटरों के जिम्मे है।

पुराने नियम, नए खतरे : एमसीडी के एक इंजीनियर ने बताया कि झूलों की फिटनेस के लिए नियम 2001 में बने थे, जिनमें 2022 में थोड़ा बदलाव हुआ। लेकिन आज के जटिल झूलों के लिए ये नियम नाकाफी हैं। नियम कहते हैं कि इंजीनियरों को लोड टेस्ट, नट-बोल्ट, वेल्डिंग पॉइंट्स और बॉल बेयरिंग की जांच करनी चाहिए। लेकिन ज्यादातर निरीक्षण सिर्फ देखने तक सीमित रहते हैं। सैंडबैग टेस्ट भी कभी-कभार होता है।

एमसीडी के रिकॉर्ड्स के मुताबिक, हर साल 500-600 मेलों को परमिशन दी जाती है, खासकर अक्टूबर-नवंबर में दशहरा, रामलीला और दीवाली के लिए। जनमाष्टमी और ईद के मौके पर भी मेले बढ़ते हैं। हर मेले में दर्जनों अस्थायी झूले लगते हैं, जो खतरे को और बढ़ाते हैं।

जिम्मेदारी का टालमटोल : हादसों के बाद भी जिम्मेदारी तय करना मुश्किल है। पुलिस जांच आमतौर पर लापरवाही के बेलेबल धाराओं तक सीमित रहती है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ऑपरेटर या कभी-कभी राइड का मालिक पकड़ा जाता है। लेकिन सेफ्टी चेक एमसीडी की जिम्मेदारी है और पुलिस सिर्फ कानून-व्यवस्था देखती है। बस, मामला वहीं खत्म हो जाता है। एमसीडी के प्रवक्ता ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया।

जनता जोखिम में : मेले में आने वाले लोग भी खतरे को भांप लेते हैं। 30 सितंबर को रामलीला ग्राउंड में झूले टखनों तक पानी में चल रहे थे, बिजली के तार जमीन पर बिखरे थे। खानपुर के रमेश सैनी ने कहा, अगर ये पलट गया तो जिम्मेदार कौन है? चारों तरफ खुले तार और गीला मैदान है। ये झूले धूल, बारिश और असमान जमीन पर चलते हैं। यूनाइटेड आरडब्ल्यूए जॉइंट एक्शन के अध्यक्ष अतुल गोयल कहते हैं, इन झूलों में इतनी टूट-फूट होती है कि सेफ्टी को सिर्फ ऑपरेटर के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। हर बड़े मेले से पहले स्वतंत्र विशेषज्ञों से अनिवार्य जांच होनी चाहिए।

आईपीएस खुदकुशी केस में अब कानूनी जंग, कोर्ट ने पूरन के परिवार को थमाया नोटिस; पुलिस के क्या आरोप?

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की कथित खुदकुशी मामले में अब गतिरोध और बढ़ गया है। अब ये मामला कोर्ट की दहलीज तक जा पहुंचा है। पोस्टमार्टम पर मची खींचतान के बीच चंडीगढ़ पुलिस ने अदालत का दरवाजा खटखटाया है और आरोप लगाया है कि देरी की वजह से सबूत कमजोर हो रहे हैं। चंडीगढ़ पुलिस की अर्जी पर कोर्ट ने दिवंगत अधिकारी पूरन के परिवार को नोटिस जारी किया है।

चंडीगढ़ पुलिस ने जिला अदालत में दायर अर्जी में दिवंगत दलित आईपीएस अधिकारी के शव का पोस्टमार्टम कराने की इजाजत मांगी है। कोर्ट इस मामले पर कल सुनवाई करेगा। बता दें कि कथित खुदकुशी के आठवें दिन भी न तो पोस्टमार्टम हो सका है और न ही उनका अंतिम संस्कार हो सका है। फिलहाल उनका शव चंडीगढ़ के पीजीआईएमईआर के एडवांस ऑटोप्सी सेंटर में रखा गया है।

एएसआई पत्नी अमनीत पी कुमार को एक अनुरोध पत्र भेजा था

अदालत पहुंचने से पहले चंडीगढ़ पुलिस ने दिवंगत आईपीएस अफसर की एएसआई पत्नी अमनीत पी कुमार को एक अनुरोध पत्र भेजा था और उनसे आग्रह किया था कि वह शीघ्र पीएमई (पोस्टमॉर्टम) के लिए शव की पहचान के वास्ते आगे आएं, क्योंकि यह जांच के लिए आवश्यक है लेकिन अमनीत कौर ने इस मामले पर चुप्पी साधे रखी और राज्य सरकार पर दबाव बनाया कि जब तक मामले में आरोपी वरिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हो जाती वह पोस्टमार्टम करने की इजाजत नहीं देंगी। इसके बाद मामले में मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य सरकार ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर को लंबे अवकाश पर भेज दिया।

एएसआई ने खुदकुशी कर मामले में लाया ट्विस्ट : दूसरी तरफ, इस मामले ने तब नाटकीय मोड़ ले लिया, जब दिवंगत आईपीएस के गनमैन के खिलाफ लगे वसूली के आरोपों की जांच कर रहे एक एएसआई ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली और सुसाइड नोट में पूरन कुमार पर भ्रष्ट होने के आरोप लगाए। संदीप कुमार लाठर नाम के इस एएसआई ने एक वीडियो क्लिप भी रिकॉर्ड किया है, जिसमें पूरन दंपत्ति के खिलाफ कई आरोप लगाए गए हैं।

मुंबई जैसे शहर में खराब सड़कों के लिए कोई बहाना नहीं चलेगा, हाईकोर्ट ने दिया मुआवजे का आदेश

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा है कि भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में खराब सड़कों को कोई बहाना नहीं दिया जा सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि म्युनिसिपैलिटी और सरकारें, नागरिकों को अच्छी सड़कें उपलब्ध कराने के लिए ना केवल बाध्य हैं, बल्कि यह उनका कर्तव्य भी है। इस दौरान हाईकोर्ट ने गड्ढों और खुले मैनहोल के कारण हुई मौतों के मामले में 6 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। वहीं चोटों के मामलों में 50,000 रुपये से 2,50,000 रुपये के बीच का मुआवजा देना होगा। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस संदेश पाटिल की पीठ ने इस तरह की कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि गड्ढों, खुले मैनहोल और खराब सड़कों के कारण मौतें और दुघटनाएं आम बात हैं और इसलिए संबंधित व्यक्तियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। हाईकोर्ट ने कहा, अब समय आ गया है कि गड्ढों के कारण हुई मौतों या उनकी वजह से घायल होने वाले पीड़ितों या उनके परिवारों को मुआवजा दिया जाए। तभी यह संबंधित एजेंसियों के लिए एक चेतावनी होगी। अदालत ने आगे कहा कि जब तक गड्ढों से होने वाली मौतों और चोटों के लिए जिम्मेदार लोगों को व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह नहीं बनाया जाता और उन्हें अपनी जेब से आर्थिक जिम्मेदारी उठाने के लिए मजबूर नहीं किया जाता, तब तक वे इस मुद्दे की गंभीरता को नहीं समझेंगे। पीठ ने कहा कि टोल और अन्य राजस्व के रूप में करोड़ों रुपये एकत्र होने के बावजूद, सड़कों की दयनीय स्थिति नागरिकों के प्रति उदासीनता को दर्शाती है। देश की आर्थिक राजधानी होने के नाते, मुंबई केंद्र, राज्य और नगर निकाय के राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देता है। एनसीजीएम एशिया के सबसे धनी निगमों में से एक है।

सुप्रीम कोर्ट में बोले लेह डीएम- राज्य की सुरक्षा को था खतरा, हानिकारक गतिविधियों में शामिल थे वांगचुक

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में लद्दाख प्रशासन ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) का इस्तेमाल करने का बचाव किया है। शीर्ष अदालत को सौंपे गए एक हलफनामे में लेह के जिलाधिकारी ने कहा है कि एनएसए लगाने में उचित प्रक्रिया का ईमानदारी और सख्ती पूर्वक पालन किया गया है। लेह जिला मजिस्ट्रेट ने कहा, सोनम वांगचुक की गतिविधियाँ राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और आवश्यक सेवाओं के लिए हानिकारक थीं। इसलिए सभी संवैधानिक सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए उनके खिलाफ एनएसए लगाया गया था। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की पीठ के समक्ष दायर एक हलफनामे में ये बातें कहीं गई हैं। पीठ सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के तहत उनकी नजरबंदी को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अंगमो ने याचिका में वांगचुक को तुरंत रिहा करने का अनुरोध किया था। हालांकि, कोर्ट ने मामले में सुनवाई स्थगित करते हुए 15 अक्टूबर (बुधवार) की नई तारीख तय की है। अवैध रूप से हिरासत में लेने से इनकार हलफनामें में लेह के डीएम ने इस बात से इनकार किया है कि वांगचुक को अवैध रूप से हिरासत में लिया गया था या हिरासत में उनके साथ अनुचित व्यवहार किया जा रहा था, और कहा कि हिरासत के कारणों और सामग्री के बारे में उन्हें सूचित कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने छह अक्टूबर को केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को नोटिस जारी किए थे। अदालत ने हिरासत का कारण बताने के अनुरोध वाली उनकी याचिका पर कोई आदेश पारित करने से इनकार कर दिया था और मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर तक स्थगित कर दी थी। वांगचुक को 26 सितंबर को हिरासत में लिया गया था केंद्र शासित प्रदेश में लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के दो दिन बाद,वांगचुक को 26 सितंबर को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया था। इससे दो दिन पहले लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर हिंसक प्रदर्शन हुए थे, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे। सरकार ने उन पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया था। वांगचुक जोधपुर जेल में बंद एनएसए केंद्र और राज्यों को किसी भी व्यक्ति को ''भारत की रक्षा के लिए नुकसानदायक'' तरीके से कार्य करने से रोकने के लिए हिरासत में लेने का अधिकार देता है। अधिकतम हिरासत अवधि 12 महीने है, हालांकि इसे पहले भी रद्द किया जा सकता है।

केरल में ड्रेस पहनकर ही जाएगी छात्रा, हिजाब विवाद पर पिता ने मानी स्कूल की बात

एर्नाकुलम, एजेंसी। केरल के एर्नाकुलम जिले में एक छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति न दिए जाने से उपजा विवाद मंगलवार को सुलझ गया। छात्रा के पिता ने सुलह वार्ता के बाद स्कूल के ड्रेस कोड का पालन करने पर सहमति जताई। वहीं, शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट ने छात्रा को धार्मिक स्वतंत्रता के तहत हिजाब पहनने की अनुमति देने की सिफारिश की है। मामला कैथोलिक चर्च द्वारा संचालित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल पल्लुरुथी का है, जहां कक्षा 8 की छात्रा के पिता पीएम अनस ने अपनी बेटी को कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग की थी। स्कूल प्रशासन ने इसे यूनिफॉर्म नीति का उल्लंघन बताते हुए अस्वीकार कर दिया था। सोमवार और मंगलवार को स्कूल में तनाव के बाद कक्षाएं निलंबित करनी पड़ी थीं। मंगलवार को कांग्रेस सांसद हिबी ईडन की मध्यस्थता में छात्रा के माता-पिता और स्कूल प्रबंधन के बीच वार्ता हुई, जिसके बाद अनस ने कहा, मैं और मेरी बेटी स्कूल प्रबंधन के निर्देशों का पालन करेंगे। मैं नहीं चाहता कि यह मामला सांप्रदायिक रंग ले। हमें समाज में भाईचारा बनाए रखना है। हिबी ईडन ने कहा कि कुछ तत्व इस विवाद के बहाने सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, छात्रा के पिता का यह फैसला केरल की धर्मनिरपेक्ष परंपरा को मजबूत करने वाला संदेश है। इस बीच राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने बताया कि जांच में स्कूल की ओर से गंभीर चूक पाई गई है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, छात्रा को हिजाब पहनने के कारण कक्षा से बाहर करना संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता और शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। यह गंभीर अनुशासनहीनता है। जांच रिपोर्ट में अनुशंसा की गई है कि छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति दी जाए और स्कूल चाहें तो उसके रंग और डिजाइन को निर्धारित कर सकता है। मंत्री ने कहा, केरल की धर्मनिरपेक्ष पहचान के विपरीत कोई शैक्षणिक संस्था कार्य नहीं कर सकती।

इटावा चोटीकांड का मुख्य आरोपी गगन यादव अरेस्ट, कथावाचकों के अपमान पर हुआ था बवाल

इटावा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के दांदरपुर गांव में भागवताचार्यों के अपमान के कारण विवाद बढ़ गया। कथावाचक की चोटी काटकर उसे सरेआम अपमानित किया गया था। इस घटना के बाद बड़ा बवाल मचा था। हिंसा के मुख्य आरोपी गगन यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसको अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जिला शासकीय अधिवक्ता शिवकुमार शुक्ला ने मंगलवार को बताया कि बकेवर हिंसा के मुख्य आरोपी गगन यादव को इटावा पुलिस में गिरफ्तार कर अपर मुख्य न्यायिक मज्ट्रिेट सर्वेश यादव की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गगन यादव के मामले की अब अगली सुनवाई 27 अक्टूबर को की जाएगी। यादव के वकील की ओर से जमानत याचिका भी अदालत में पेश की गई थी जिसको अदालत ने संगीन अपराधों की श्रेणी में सुमार मानते हुए खारिज कर दिया है। शुक्ला ने बताया कि अब गगन यादव की जमानत के लिए जिला जज की अदालत में उनके वकील की ओर से आज का दाखिल की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीश चंद्र ने बताया कि 26 जून को बकेवर इलाके के दादरपुर गांव में हुए बवाल और हंगामा के मुख्य आरोपी गगन यादव को क्राइम ब्रांच और बकेवर पुलिस में मेरठ के मवाना स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया है। क्राइम ब्रांच की टीम कड़ी सुरक्षा के बीच मेरठ से इटावा लेकर के गगन यादव को आई है और उसके बाद इटावा मुख्यालय के डॉक्टर भीमराव अंबेडकर राजकीय संयुक्त चिकित्सालय में उसका मेडिकल कराया गया जिसके बाद उसके अदालत में पेश किया गया।

क्या था पूरा मामला : इसी साल 26 जून को थाना बकेवर क्षेत्र के ग्राम दादरपुर में कथावाचक की चोटी काटकर उसे सरेआम अपमानित किया गया था। इस घटना के बाद बड़ा बवाल मचा था। कथावाचकों के और मारपीट की घटना के बाद गगन यादव के आह्वान पर सैकड़ों लोग एकजुट हुए थे। भीड़ ने विरोध प्रदर्शन करते हुए हिंसा, तोड़फोड़ और पुलिस पर पथराव किया था। इस दौरान कई वाहन क्षतग्रिस्त हो गए और इलाके में तनाव का माहौल बन गया था।

घटना के तुरंत बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए 19 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था और 14 वाहनों को जब्त किया था। जांच में मुख्य साजिशकर्ता के रूप में मेरठ निवासी गगन यादव का नाम सामने आया था। वह घटना के बाद से फरार चल रहा था।

पृष्ठ एक के शेष....

एक्सप्रेसवे की...

नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड ने यमुना पुश्ता पर एलिवेटड का निर्माण यूपीसीडा से कराने का निर्णय लिया गया था। निर्माण में जितना भी खर्च आएगा उसका वहन नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण करेगा। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में चर्चा के बाद इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई थी। पहले ये एक्सप्रेस 6 लेन का एलिवेटेड और आठ लेन ऑन ग्राउंड बनाया जाना था। लेकिन अब इसे सिर्फ एलिवेटेड ही बनाया जाएगा। हालांकि अब सिंचाई विभाग की एनओसी का इंतजार है। इसके मिलते ही एनएएच घोषित कराया जाएगा।

दरअसल ये एक्सप्रेसवे छह लेन एलिवेटड होगा। ये ओखला बैराज से हिंडन यमुना होते हुए यमुना एक्सप्रेसवे तक जाएगा। ये नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए दिल्ली से सीधे कनेक्टिविटी भी होगी। इसका फायदा तीनों प्राधिकरण नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे को होगा। प्राधिकरण सीईओ लोकेश एम ने बताया कि बोर्ड में चर्चा के बाद जो भी निर्णय आया है उसका उसका पालन किया जाएगा। ये लिंक ट्रैफिक लोड को देखते हुए बहुत अहम है।

नोएडा शहर में आज...

द्वारा मोरना चौक सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास श्रद्धांजलि दी गई।

ट्रस्ट के प्रवक्ता मनीष चौधरी ने बताया कि नोएडा शहर में हर साल दंगल कराने वाला ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट एक प्रसिद्ध सामाजिक संस्था है। ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा स्व. ऋषिपाल सिंह के भाई चौधरी धर्मवीर सिंह ने बताया कि ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट दंगल कराने के अलावा सडक सुरक्षा सप्ताह, रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण और भंडारे जैसी गतिविधियों का भी आयोजन नोएडा में निरंतर ट्रस्ट करता रहा है। उन्होंने बताया कि सेक्टर-35 के जिस चौराहे पर ऋषिपाल आर्य की सड? हादसे में मौत हुई थी उस चौराहे का नाम ऋषिपाल चौक रखा गया है। यह चौराहा नोएडा के सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन के पास अंडरपास के समीप है। हर वर्ष 16 अक्टूबर को ऋषिपाल आर्य के परिजन, मित्र और प्रशंसक यहां एकत्र होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं उनके नाम से नोएडा के सेक्टर-15 में एक गली और क्रीड़ा स्थल का भी नाम है।

नोएडा में आयोजित होने वाले दंगल की तैयारियों में प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता वेद प्रधान, मुख्य ट्रस्टी चौ. अतर सिंह, धर्मवीर सिंह, महेंद्र अवाना, सतीश अवाना, चौधरी राजकुमार, ट्रस्ट के प्रवक्ता मनीष चौधरी आदि कई गणमान्य लोग जुटे हुए हैं। ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट के ट्रस्टी चौधरी अतर सिंह ने बताया कि इस दंगल में महिला व बाल पहलवानों की भी कुश्ती होगी। जिसमें दूर-दराज से आए पहलवान हिस्सा लेंगे।

मेरठ व गाजियाबाद...

प्रतियोगिता का समापन समारोह मुख्य अतिथि डॉ0 राजीव नारायण मिश्र, अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) द्वारा संपन्न किया गया। इस अवसर पर शैलेन्द्र कुमार सिंह (आयोजन सचिव/पुलिस उपायुक्त लाइन), सुश्री ट्विंकल जैन (सह-आयोजन सचिव/सहायक पुलिस आयुक्त लाइन), सुरेश रॉय (प्रतिसार निरीक्षक प्रथम), कृष्णवीर सिंह (प्रतिसार निरीक्षक द्वितीय), बालियान (यू0पी0 पी0बी0एल0), विश्वास बंसल (यू0पी0 पी0बी0एल0), हरेकृष्ण (प्रबंधक पथिक स्टेडियम) तथा प्रमोद कुमार (महासचिव, बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया) सहित अन्य अधिकारी एवं अतिथि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संचालन सुनील भारद्वाज (निरीक्षक नागरिक पुलिस) द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

भारतीय खिलाड़ी डरते हैं...

अजिंक्य रहाणे ने बीसीसीआई सेलेक्टर्स पर साधा निशाना!

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के सीनियर बल्लेबाज और पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम सेलेक्शन पर बड़ा बयान दिया है. रहाणे ने कहा कि भारत में खिलाड़ियों के सेलेक्शन प्रोसेस में बड़े बदलाव की जरूरत है. रहाणे ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी सेलेक्टर्स के डर से खुलकर नहीं खेल पाते और इससे टैलेंट दब जाता है. टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने भारतीय क्रिकेट में सेलेक्शन सिस्टम को लेकर बड़ी बहस छेड़ दी है. रहाणे का मानना है कि सेलेक्टर्स की नियुक्ति में बुनियादी सुधारों की जरूरत है. खासकर डोमेस्ट लेवल पर... उन्होंने कहा कि टीम चुनने की जिम्मेदारी केवल हाल ही में रिटायर हुए फर्स्ट क्लास खिलाड़ियों को दी जानी चाहिए, क्योंकि वे मॉडर्न क्रिकेट की ड?मांड और खिलाड़ियों की क्षमता को बेहतर समझते हैं. ध्यान रहे रहाणे ने इंटरनेशनल क्रिकेट से आधिकारिक रूप से संन्यास नहीं लिया है, लेकिन उन्होंने इस साल की शुरुआत में मुंबई टीम के कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया था. रहाणे के इस बयान से यह भी संकेत मिलता है कि कई खिलाड़ी वर्तमान सेलेक्टर्स के डर से खुलकर प्रदर्शन नहीं कर पाते, और इसलिए सिस्टम में बदलाव बेहद जरूरी है.

वनडे में अफगान बल्लेबाज का दबदबा

● रोहित-विराट और बाबर को चुटकियों में पिछाड़ा, 3 मैचों ने बदल दी किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी ने बुधवार को ताजा वनडे रैंकिंग जारी की है, जिसमें अफगानिस्तान के स्टार बल्लेबाज इब्राहिम जादरान ने कमाल कर दिया। जादरान ने रोहित शर्मा, विराट कोहली और बाबर आजम जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को पीछे छोड़ दिया और उनसे आगे निकल गए। इब्राहिम जादरान 8 पायदान की छलांग लगाकर दूसरे नंबर पर आ गए हैं। वह 764 रेटिंग पॉइंट्स के साथ वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। यह उनके करियर के बेस्ट वनडे रेटिंग पॉइंट्स हैं।

बांग्लादेश वनडे सीरीज में जमकर बोला बल्ला– बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में इब्राहिम जादरान का बल्ला जमकर बोला है। उन्होंने 3 मैचों में 71 की शानदार औसत से बल्लेबाजी करते हुए

213 रन बनाए। जादरान ने 2 अर्धशतक ठोके। उनका हाइएस्ट स्कोर 95 रन रहा। वह इस सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बने। बता दें कि 3 मैचों की वनडे सीरीज में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश का सूपड़ा साफ कर दिया और 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। भारत के नए वनडे कप्तान शुभमन गिल लेटेस्ट आईसीसी वनडे रैंकिंग्स में शीर्ष पर 784 रेटिंग पॉइंट्स के साथ बरकरार हैं। तीसरे पर 754 रेटिंग पॉइंट के साथ रोहित शर्मा, चौथे पर 739 रेटिंग पॉइंट के साथ बाबर आजम तो पांचवें नंबर पर 736 रेटिंग पॉइंट के साथ के विराट कोहली हैं। आने वाली ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज में विराट कोहली और रोहित शर्मा अपने वनडे रैंकिंग में सुधार कर सकते हैं। शुभमन गिल के पास भी टॉप पर बने रहने का अच्छा मौका होगा।

महिला विश्व कप

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए भारत पर जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। विशाखापत्तनम में रविवार (12 अक्टूबर) को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए भारत पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। गत चैंपियन टीम ने भारत के 330 रनों के लक्ष्य को एक ओवर और तीन विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।

समय सीमा को ध्यान में रखते हुए पाया गया कि भारत अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे था। यह जुर्माना एमिरेट्स

आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के मिशेल पेरेरा ने लगाया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.22 के अनुसार - जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है - खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड स्वीकार कर लिया, जिसका अर्थ है कि किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी। यह आरोप मैदानी अंपायर सू रेडफर्न और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर किम कॉटन और चौथे अंपायर जैकलीन विलियम्स द्वारा लगाया गया था।

आर्चरी प्रीमियर लीग

भारतीय तीरंदाजी में एक नया अध्याय

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्चरी प्रीमियर लीग 2025 का आयोजन भारतीय तीरंदाजी संघ ने किया, जिसमें दुनियाभर के कई सर्वश्रेष्ठ तीरंदाजों ने अपनी चमक बिखेरी। इस लीग में छह टीमों ने हिस्सा लिया, जिनमें कुल 48 तीरंदाज शामिल थे। इनमें 36 भारतीय और 12 विदेशी थे। आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एक साथ खेले, जिसमें युवा तीरंदाजों को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिला। इनमें कुछ विदेशी दिग्गज भी शामिल थे, जिससे भारतीय खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय मुकाबलों का अनुभव मिला। इसने यकीनन उनके प्रदर्शन और मानसिक मजबूती को बेहतर बनाने में मदद की। आर्चरी प्रीमियर लीग 2025 का पहला राउंड-रॉबिन चरण 2-6 अक्टूबर और दूसरा 7-11 अक्टूबर के बीच आयोजित किया गया। इस दौरान प्रत्येक प्लेइंग लाइनअप में कम से कम एक विदेशी तीरंदाज को शामिल किया गया था, जिन्होंने मिश्रित रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाजी स्पर्धाओं में हिस्सा लिया। आर्चरी प्रीमियर लीग 2025 में दो राउंड-रॉबिन चरण हुए, जिसके बाद नॉकआउट मुकाबलों का आयोजन किया गया, जिनमें सेमीफाइनल और फाइनल शामिल थे।

राउंड-रॉबिन चरण में रोजाना तीन

मुकाबलों का आयोजन हुआ। फ्लडलाइट में खेली गई प्रत्येक प्रतियोगिता 20 मिनट की हुई। इसमें प्रत्येक तीरंदाजी के लिए 15 सेकंड का समय दिया गया, जबकि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में यह समय 20 सेकंड होता है।

इस लीग में एरो शूटिंग की दूरी ओलंपिक मानक के अनुरूप ही थी। रिकर्व के लिए 70 मीटर, जबकि कंपाउंड के लिए 50 मीटर के लिए दूरी तय की गई। आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) में इन छह टीमों ने राउंड-रॉबिन चरण में एक-दूसरे का सामना किया। दोनों राउंड-रॉबिन चरणों के बाद शीर्ष चार टीमें नॉकआउट चरण में पहुंची, जिसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल खेले गए। राजस्थान की टीम राजपूताना रॉयल्स ने दिल्ली की पृथ्वीराज योद्धा को हराकर गोल्डन ट्रॉफी अपने नाम की। तीरंदाजी की जड़े बहुत पुरानी हैं। मध्य पाषाण युग के उत्तरार्ध से धनुष-बाण का प्रयोग होता था, लेकिन ओलंपिक ने इसे आधुनिक खेल के रूप में लोकप्रिय बनाया। 1900, 1904, 1908 और 1920 के ओलंपिक में तीरंदाजी को शामिल किया गया। ओलंपिक 1904 में यह महिलाओं की स्पर्धाओं को शामिल करने वाले पहले खेलों में से एक था। लेकिन तीरंदाजी के प्रारूप असंगत थे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गोल की बारिश करते हुए बना दिया विश्व रिकॉर्ड

देखते रह गए लियोनेल मेसी, दुनिया दंग

नई दिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 40 साल की उम्र में एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मंगलवार को हंगरी के खिलाफ खेले गए मैच में रोनाल्डो ने दो गोल दागकर अपने कुल गोल की संख्या 41 कर ली और ग्वाटेमाला के कार्लोस रुइज को पीछे छोड़ दिया। कार्लोस रुइज ने कुल 39 गोल दागे थे।

● रिकॉर्ड के कारण टीम ने किया ड्रॉ

लिस्बन के जोस अल्वाडे स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में रोनाल्डो का व्यक्तिगत प्रदर्शन शानदार रहा, लेकिन पुर्तगाल इंजरी टाइम में गोल खाने के बाद हंगरी के खिलाफ मैच ड्रॉ कराने में सफल रहा। मैच के 8वें मिनट में हंगरी ने बढ़त बनाई। 22वें मिनट में रोनाल्डो ने अपना पहला गोल किया, जो उनके करियर का 947वां गोल था, जिससे पुर्तगाल ने 1-1 की बराबरी की। हाफ टाइम से ठीक पहले 45वें मिनट में उन्होंने दूसरा गोल दागकर पुर्तगाल को 2-1 से आगे कर दिया। यह उनके करियर का 948वां गोल था। हालांकि, हंगरी ने इंजरी टाइम में गोल करके मैच को ड्रॉ करा दिया, जिससे पुर्तगाल का वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन थोड़ा और लंबा खिंच गया।

लियोनेल मेसी से आगे

रोनाल्डो अब ख़द्धम्न वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में 41 गोल के साथ सबसे आगे हैं, जो अर्जेंटीना के उनके चिर-प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी के 36 गोल से 5 गोल ज्यादा है। इस लिस्ट में ईरान के अली देई (35 गोल) और पोलैंड के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की (33 गोल) भी शामिल हैं।

पैट कमिंस ने चुनी भारत-ऑस्ट्रेलिया की ऑल टाइम वनडे 11

सिर्फ 3 भारतीयों को चुना, विराट कोहली को जगह नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 मैच की रोमांचक वनडे सीरीज 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली है। उससे ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने भारत और ऑस्ट्रेलिया की ऑल टाइम वनडे 11 टीम चुनी है। अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को 2023 का वनडे वर्ल्ड कप जिताने वाले पैट कमिंस खुद भारत के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में चोटिल होने की वजह से नहीं खेल रहे हैं। लेकिन, उन्होंने सीरीज से पहले अपनी ऑल टाइम भारत-ऑस्ट्रेलिया की वनडे 11 चुनी है। हालांकि, इसमें कमिंस ने भारत के विराट कोहली को जगह नहीं दी है।

पैट कमिंस ने विराट कोहली को नहीं चुना– वनडे फॉर्मेट में 51 शतक लगाने वाले विराट कोहली को पैट कमिंस ने भारत-ऑस्ट्रेलिया की ऑल टाइम वनडे 11 में नहीं चुना, यह काफी हैरान करने वाला है, क्योंकि कोहली वनडे के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। पैट कमिंस ने विराट कोहली को ही नहीं बल्कि रोहित शर्मा को भी नहीं चुना है। हालांकि, उन्होंने इस बात का उल्लेख भी किया कि वो सिर्फ पूर्व खिलाड़ियों को चुनेंगे और करंट खिलाड़ियों को नहीं। पैट कमिंस ने यह टीम स्टार स्पोर्ट्स पर चुनी है।

सिर्फ इन 3 भारतीय प्लेयर्स को कमिंस ने चुना– पैट कमिंस ने भारत-ऑस्ट्रेलिया की ऑल टाइम वनडे 11 टीम में महान सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी और जहीर खान को चुना। इन तीनों के अलावा किसी और भारतीय खिलाड़ियों को उन्होंने शामिल नहीं किया।

भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने सुल्तान ऑफ जोहोर कप हॉकी में मिलाया हाथ

जोहोर बाहरू (मलयेशिया), एजेंसी। मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ। इसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ मिलाते हुए दिखे। यह दृश्य खास इसलिए था क्योंकि कुछ हफ्ते पहले हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच ऐसा कोई दृश्य नहीं देखने को मिला था। भारत और पाकिस्तान के बीच खेल प्रतिस्पर्धा भले ही दशकों पुरानी हो, लेकिन सुल्तान ऑफ जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट के दौरान दोनों देशों के खिलाड़ियों ने खेल भावना की एक नई मिसाल पेश की। मंगलवार को खेले गए जूनियर हॉकी मैच से पहले जब दोनों देशों के राष्ट्रीय गान बजाए गए, तो उसके तुरंत बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाई-फाइव किया और हाथ मिलाया।

मैच 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ। इसके बाद भी दोनों टीमों के खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ मिलाते हुए दिखे। यह दृश्य खास इसलिए था क्योंकि कुछ हफ्ते पहले हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच ऐसा कोई दृश्य नहीं देखने को मिला था।

क्रिकेट में थी दूरी, हॉकी में दिखी नजदीकी– एशिया कप क्रिकेट में भारत की कप्तानी सूर्यकुमार यादव ने की थी, और उस दौरान भारतीय टीम ने पाकिस्तान से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया था। यह फैसला ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों के प्रति सम्मान

जताने के लिए लिया गया था। फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी जीती, लेकिन उस वक्त भी टीम इंडिया ने पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। इससे साफ था कि मैदान के बाहर की राजनयिक तनाव की स्थिति का असर क्रिकेट मैदान पर भी दिखाई दे रहा था।

द. अफ्रीका, आइवरी कोस्ट, सेनेगल, कतर और सऊदी अरब ने क्वलिफाई किया

यूरोप से इंग्लैंड बनी पहली टीम

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड ने लाटविया पर 5-0 की बड़ी जीत के साथ विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई किया और इस तरह यूरोप का पहला देश बना जिसने टूर्नामेंट में जगह पक्की की। अफ्रीका से विश्व कप 2026 के लिए तीन बड़ी टीमें- दक्षिण अफ्रीका, आइवरी कोस्ट और सेनेगल ने अपना टिकट पक्का कर लिया है। दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को रवांडा को 3-0 से हराकर अपने क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। यह 2010 के बाद पहला मौका है जब दक्षिण अफ्रीका फीफा विश्व कप में हिस्सा लेगा। इस जीत के साथ ही नाइजीरिया को अपने ग्रुप में दूसरा स्थान मिला और उसे अब प्लेऑफ के जरिए क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। हालांकि नाइजीरिया ने बेनिन को उसके घरेलू मैदान पर विक्टर ओसिमेन की हैट्रिक की बदौलत 4-0 से हराया। उधर, आइवरी कोस्ट ने कीनिया पर 3-0 की जीत दर्ज कर सीधा क्वालिफिकेशन हासिल किया, जबकि सेनेगल ने मॉरिटानिया को 4-0 से हराकर लगातार तीसरी बार

विश्व कप में जगह बनाई।

एशिया से कतर और सऊदी अरब का टिकट पक्का– एशियाई क्वालिफायर के चौथे दौर में कतर और सऊदी अरब ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल कर विश्व कप 2026 में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली। कतर ने दोहा में खेले गए मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 2-1 से हराया, जबकि सऊदी अरब ने जेद्दा में इराक के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। दोनों टीमें अब एशिया से विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली सातवीं और आठवीं टीम बन गई हैं। कतर दूसरी बार विश्व कप में हिस्सा लेगा। पिछली बार वह मेजबान देश के रूप में खेला था। लेकिन इस बार कतर ने अपने दम पर क्वालीफिकेशन हासिल किया, जो उसके फुटबॉल इतिहास में एक नया अध्याय है। सऊदी अरब अब तक सातवीं बार विश्व कप में हिस्सा लेने जा रहा है। इससे पहले जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, उज्बेकिस्तान और जॉर्डन एशिया से जून में ही विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं।

रोज की भागदौड़ छोड़िए और जाइए घूमने

अगर आप लंबे समय से घूमने का प्लान बना रहे हैं, लेकिन काम की वजह से समय नहीं मिल पा रहा है। तो आप इस वीकेंड घूमने का प्लान बना सकते हैं। ऐसे में आप वीकेंड पर न सिर्फ रिलैक्स कर सकते हैं, बल्कि आप अपने परिवार के साथ नई जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वीकेंड ट्रिप पर घूमने के लिए यहां कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आप अपनी फैमिली, दोस्तों और पार्टनर के साथ घूमने के लिए जा सकते हैं।

मथुरा-वृंदावन

आप इस वीकेंड कान्हा की नगरी मथुरा-वृंदावन जा सकते हैं। आप मथुरा में कृष्ण कारागार और फिर अगले दिन वृंदावन और बरसाना घूम सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर प्रेम मंदिर, निधिवन, बांके बिहारी मंदिर और राधा रमण मंदिर घूमने जा सकते हैं।

अमृतसर

आप वीकेंड पर फैमिली के साथ जलियांवाला बाग घूमने जा सकते हैं। यहां पर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा 12 किमी दूर अमृतसर एयरपोर्ट है। वहीं अमृतसर जंक्शन रेलवे स्टेशन से करीब 2 किमी दूर जलियांवाला बाग है। जहां पर आप रिक्शा, ऑटो या फिर पैदल भी जा सकते हैं। जलियांवाला बाग से स्वर्ण मंदिर की दूरी 500 किमी है।

ऋषिकेश

उत्तराखंड का ऋषिकेश वीकेंड ट्रिप के लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है। यहां पर आपको आध्यात्मिक और एडवेंचर अनुभव का मेल मिलेगा। आप गंगा किनारे शांत माहौल में सुकून के पल बिता सकते हैं। इसके अलावा ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग और कैंपिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

उदयपुर

बता दें कि राजस्थान का उदयपुर खूबसूरत झीलों का शहर है। यह रोमांटिक और फैमिली ट्रिप के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन है। वैसे तो उदयपुर में कई घूमने वाली जगहे हैं, जैसे आप पिछोला झील, सिटी पैलेस, बागोर की हवेली और जगदीश मंदिर आदि एक्सप्लोर कर सकते हैं। साथ ही राजस्थान में यहां के लजीज व्यंजनों का स्वाद चख सकते हैं।

घुमक्कड़ लोग घूमने के इतने शौकीन होते हैं कि कई बार वे अकेले ही निकल जाते हैं। ऐसे में सोलो ट्रिप की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अकेले यात्रा करना खुद के साथ समय बिताने, नए लोगों से मिलने और अनोखे अनुभवों का आनंद लेने का एक शानदार तरीका है। जब बात आती है महिलाओं के लिए, अब भारत भर में कई ऐसे स्थान हैं जो सुंदर और सुरक्षित दोनों हैं। इन स्थानों पर महिलाएं जरुर जाएं।

भारत में सोलो ट्रिप के लिए बेहद शानदार जगहें

ऋषिकेश, उत्तराखंड

सोलो ट्रिप के लिए महिलाओं के लिए ऋषिकेश सबसे बेस्ट जगह है। अपनी आध्यात्मिकता, योग केंद्रों और गंगा आरती के लिए प्रसिद्ध है ऋषिकेश। यहां पर आपको शांत वातावरण के साथ-साथ रिवर राफ्टिंग, बंजी जंपिंग और ट्रैकिंग जैसी रोमांचक एडवेंचर एक्टिवी का आनंद भी ले सकते हैं। यहां रहने की व्यवस्था बजट-अनुकूल हॉस्टल से लेकर होटल तक उपलब्ध है। महिलाएं सुरक्षित रूप से गंगा के तटों की सैर कर सकती हैं और ध्यान व योग का आनंद ले सकती हैं।

जैसलमेर, राजस्थान

सोलो ट्रिप को खास बनाने के लिए आप राजस्थान के जैसलमेर में जरुर जाएं। गोल्डन सिटी जैसलमेर में रेगिस्तान देखना एक जादुई जगह जैसा लगता है। यहां पर आपको ऐतिहासिक किला, हवेलियां और थार रेगिस्तान में ऊंट सफ़ारी वाकई एक अनोखा अनुभव प्रदान करती हैं। स्थानीय संस्कृति, टेस्टी राजस्थानी व्यंजन और गर्मजोशी भरा आतिथ्य हर यात्री को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहां पर कड़ी सुरक्षा देखने को मिलती है ऐसे में महिलाएं यहां पर आराम से अकेले भी घूम सकती हैं।

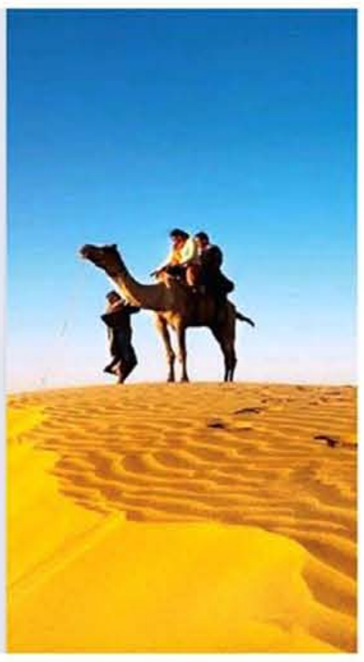

अलेप्पी, केरल

अगर आपको पानी के किनारे समय बिताना पसंद है, तो केरल का अलेप्पी आपके लिए एकदम सही जगह है। शांत बैकवाटर्स के किनारे हाउसबोट की सवारी और हरे-भरे नारियल के बागों के बीच एक सुकून भरा माहौल है। अकेले घूमने वाले लोग इस शांत वातावरण में सुकून के पल बिता सकते हैं और केरल के असली व्यंजनों का स्वाद ले सकते हैं। यहां का स्थानीय पर्यटन उद्योग महिलाओं की सुरक्षा पर बहुत जोर देता है।

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश

धर्मशाला और पास का मैक्लोडगंज माउंटेन लवर के लिए एकदम सही जगह है। यहां पर आपको तिब्बती संस्कृति, खूबसूरत मठ और आरामदायक कैफे यादगार सोलो ट्रिप का अनुभव प्रदान करेंगे। यहां पर आ ट्रेकिंग और प्रकृति की सैर कर सकते हैं। धर्मशाला के स्थानीय लोग मिलनसार और सुरक्षित वातावरण के कारण महिलाएं अंधेरे के बाद भी आजादी से घूम सकती हैं।

पुडुचेरी

अपनी फ्रांसीसी औपनिवेशिक वास्तुकला, समुद्र तटों और कलरफुल गलियों के लिए प्रसिद्ध है पुडुचेरी। सोलो ट्रिप करने वाली महिलाओं के लिए यह एक बेहतरीन जगह है। यहां के कैफ़े, ऑरोविले आश्रम और योग केंद्र एक ताजा और आरामदायक अनुभव प्रदान करेगा। शांत और सुरक्षित वातावरण में, महिलाएं पूरी तरह से निश्चिंत होकर अपनी यात्रा का आनंद ले सकती हैं।

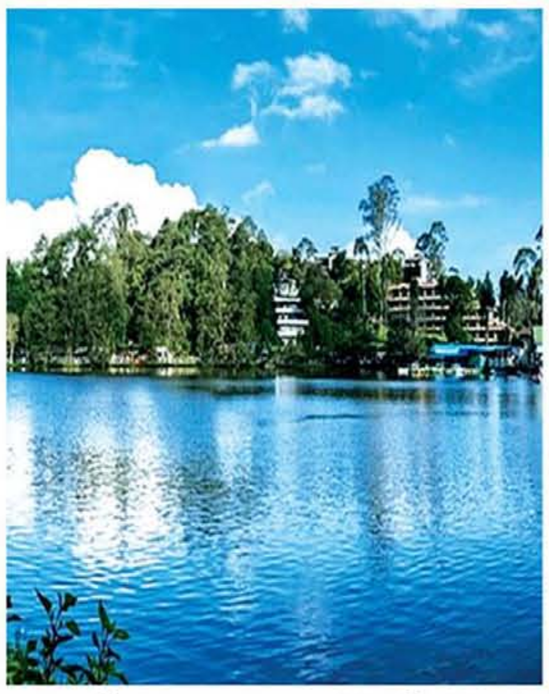

मनाली के पास 100 किमी में छुपे ये 3 हिल स्टेशन, जहां मिलेगा अद्भुत सुकून और शांति

जब भी लोग पहाड़ी जगहों पर घूमने जाने का प्लान करते हैं, तो वह आसपास की सभी जगहों को एक्सप्लोर करने का प्लान करते हैं। कई बार लोग ऐसी लोकेशन के बारे में सर्च करते हैं, जो आपकी लोकेशन के पास भी हो और साथ ही खूबसूरत भी हो। वहीं अपने शहर से दूर घूमने गए लोग हमेशा पूरी प्लानिंग करने के बाद जाते हैं। क्योंकि लंबे ट्रिप पर निकले लोग आसपास की जगहों को भी एक्सप्लोर करते हैं। ऐसे में अगर आप भी मनाली के आसपास 100 किमी के अंदर अच्छी जगहें ढूंढ रहे हैं, जहां पर जाने में अधिक समय नहीं लगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मनाली से 100 किमी की दूरी पर स्थित कुछ हिल स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं।

मणिकर्ण

बता दें कि मनाली से मणिकर्ण की दूरी करीब 100 किमी के अंदर है। आप यहां पर 2-30 से 03-00 घंटे में पहुंच जाएंगे। मनाली घूमने गए लोगों को आसपास की जगहों को कवर करना चाहिए। इससे न तो ज्यादा खर्च आएगा और न ही आपको लोकेशन तक पहुंचने पर अधिक समय लगेगा। मनाली से मणिकर्ण की दूरी करीब 79 किमी दूर है। आप मणिकर्ण पहुंचकर कसोल भी जा सकते हैं। कसोल और मणिकर्ण की बीच की दूरी करीब 20 मिनट की है।

कसोल

मनाली घूमने वाले लोगों को कसोल भी आना चाहिए। क्योंकि यह जगह मनाली से 100 किमी से भी कम दूरी पर स्थित है। अगर आपको ट्रैफिक नहीं मिलेगा, तो आपको यहां पहुंचने में करीब 2 घंटे का समय लगेगा। मनाली से कसोल की दूरी करीब 75 किमी है। बता दें कि कसोल और कसोली 2 अलग-अलग जगहें हैं। जिसमें कसोल ऊंचाई पर स्थित है और यह एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह जगह अपनी सुकून और शांति के लिए जाना जाता है।

रोहतांग पास

मनाली के पास सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली जगह रोहतांग पास है। मनाली घूमने जाने वाले लोग रोहतांग पास घूमने जरूर जाते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि मनाली से अधिक दूर नहीं है। इसलिए लोगों को यहां पर पहुंचने में ज्यादा परेशानी नहीं होती है। मनाली से रोहतांग पास की दूरी करीब 50 किमी है। आप यहां पर 2 घंटे में आसानी से पहुंच जाते हैं और यहां पहुंचने में अधिक खर्च नहीं आने वाला है। ऐसे में अगर आप भी मनाली घूमने जा रहे हैं, तो यहां आसपास मौजूद इन हिल स्टेशन को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

आ रही हैं सर्दियां... टॉप 5 डेस्टिनेशन पर जा सकते हैं घूमने, ठंड के मौसम में चमक उठती हैं ये जगहें

अगर आपने अपने परिवार के साथ लंबे समय से कोई ट्रिप प्लान नहीं किया है, तो आप भारत की उन जगहों पर जा सकते हैं, जहां ठंड के मौसम में मजा दो गुना हो जाता है। यही नहीं ये जगह ज्यादा महंगी भी नहीं है।

फेस्टिव सीजन और ठंड दोनों ही आ रहे हैं, ऐसे में कई बच्चों को विंटर वेकेशन भी मिलेगी, तो घूमने का प्लान बनाया जा सकता है। आपको बता दें, भारत में कई ऐसी जगहें हैं, जहां ठंड में घूमने का मजा कुछ और ही होता है। अगर आप भी लंबे समय से कहीं नहीं घूमें हैं, तो आज हम आपको कुछ जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां आप अपने परिवार के साथ एक प्यारा से ट्रिप कर सकते हैं। बजट के मामले में ये जगहें ज्यादा महंगी नहीं है। आइए जानते हैं, इन डेस्टिनेशन के बारे में।

शिमला, हिमाचल प्रदेश

शिमला एक फेमस हिल स्टेशन है जहां अक्टूबर महीने से ही सर्दी का अनुभव होना शुरू हो जाता है। इस समय के दौरान, टूरिस्ट शिमला के मॉल रोड पर इत्मीनान से सैर करने का आनंद ले सकते हैं, यही नही यहां के फेमस क्राइस्ट चर्च; द स्केंडल पॉइंट घूम सकते हैं। सर्दियों के मौसम में शिमला आपको सफेद चादर से ढका हुआ मिलेगा। शिमला में घूमने की काफी जगहें हैं। कुफरी जाकर आप अपने परिवार से साथ कई विंटर एक्टिविटी में हिस्सा ले सकते हैं।

मनाली, हिमाचल प्रदेश

दिल्ली, चंडीगढ़, को लोग सर्दी हो या गर्मी मनाली को हमेशा टॉप डेस्टिनेशन की लिस्ट में रखते हैं। सर्दियों में मनाली देखने लायक है। यहां की कड़कड़ाती ठंड और मॉल रोड की गर्मागर्म चाय के सामने हर सुकून फेल है।यहां आप हिडिम्बा मंदिर, वशिष्ठ कुण्ड,मणिकरण, रोहतांग पास, ओल्ड मनाली समेत कई टूरिस्ट पॉइंट देख सकते हैं। शॉपिंग के लिए भी ये जगह बेस्ट है। यहां ऊनी कपड़े, हस्तशिल्प, बर्तन, घर की सजावट की वस्तुएं खरीद सकते हैं। इसी के साथ यहां आप दोनों पैराग्लाइडिंग भी कर सकते हैं।

दार्जिलिंग, वेस्ट बंगाल

दार्जिलिंग एक ऐसा ट्रैवल डेस्टिनेशन है, जहां आपको किसी भी मौसम में जाओ ये जगह आपको कभी निराश नहीं करेगी, अगर आप सर्दियों के मौसम में जा रहे हैं, तो खिलती हुई धूप जब हरे-भरे चाय बागानों पर पड़ती है, तो नजारा देखने लायक होता है। यही नहीं, यहां पर आकर आप टॉय ट्रेन, टाइगर हिल्स, तासिया लूप, जापानी मंदिर और रॉक गार्डन जैसे प्लेस देख सकेंगे।इसी के साथ आप यहां सबसे बेस्ट सनराइज का मजा ले सकते हैं। बता दें, अगर आप बच्चों के साथ यहां ट्रैवल कर रहे हैं, तो जलपाईगुड़ी से दार्जिलिंग तक टॉय ट्रेन का सफर करवाना न भूलें। देशभर से टूरिस्ट टॉय ट्रेन का सफर का मजा लेने आते हैं।

औली, उत्तराखंड

उत्तराखंड में कई हिल स्टेशन है, वहीं टूरिस्ट औली हिल स्टेशन आना काफी पसंद करते हैं। बता दें, अक्टूबर- नवंबर में यहां बर्फबारी शुरू हो जाती है। स्नोफॉल एंजॉय करने के लिए ये जगह बेस्ट है। स्कीइंग और बर्फ से संबंधित एक्टिविटी के लिए औली जाना बेस्ट ऑप्शन रहेगा।

काजा

स्पीति घाटी में स्थित काजा एक ऐसा टूरिस्ट प्लेस है, जहां ज्यादातर टूरिस्ट सर्दियों में आना पसंद करते हैं। जैसे- जैसे यहां तापमान गिरता जाता है, पूरा काजा शहर बर्फ की खूबसूरत चादर से ढक जाता है। इसी के साथ यहां आकर आप मोनेस्ट्री और किब्बर जैसे प्राचीन मठों पर घूम सकते हैं।

मैं अपने डिप्रेशन से लड़ रहा था

बाबिल खान ने जब एक्टिंग करियर शुरू किया तो वह अपने संजीदा अभिनय के लिए जाने गए। लेकिन कुछ महीनों पहले उनका एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह रोते हुए दिखे। इंडस्ट्री के कई लोगों को फेक बताते नजर आए। बाद में बाबिल की मां ने एक बयान जारी कर बताया कि वह मुश्किल दौर से जूझ रहे हैं। इस वीडियो के महीनों बाद अब बाबिल की एक सोशल मीडिया पोस्ट सामने आई है। जिसमें वह अपने डिप्रेशन प्रॉब्लम का जिक्र कर रहे हैं। यह पोस्ट देखकर कई बॉलीवुड सेलेब्स बाबिल को सपोर्ट करते भी दिखाई दिए।

अपनी पोस्ट में कविता कहने के अंदाज में लिखते हैं, 'मैं छुपकर सुनने का इरादा नहीं रखता था, इस कांच के घर की दीवारें पतली हैं। मैंने अपना दिल खोलकर रखा था। अब मेरे पास खून से सनी टी-शर्ट हैं। मुझे ठीक होने के लिए समय चाहिए था। मेरे भीतर के डिमन ने मुझे गहरे जख्म दिए हैं। नींद ना आना और घबराहट ने मुझे अजीब-अजीब चीजें सोचने पर मजबूर कर दिया था। मैं मदद के लिए पुकार रहा था, मैं अपनी आवाज को दबा नहीं पा रहा था। यह सबकुछ मेरी सेहत पर भारी पड़ रहा था। मेरी आत्मा थक चुकी थी। जब तुम अपनी प्रेमिका से लड़ रहे थे, तब मैं अपने अवसाद से लड़ रहा था।' बाबिल खान की हालिया पोस्ट पर बॉलीवुड सेलेब्स भी रिएक्ट रहे हैं। अपारशक्ति खुराना ने 'भाई' लिखते हैं, हार्ट इमोजी बनाया है। वहीं विजय वर्मा ने लिखा, 'हम तुम्हारे साथ हैं बाबिल।' गुलशन देवैया ने लिखा, 'देखो, यहां कौन आया है?' टीवी एक्टर हिमांशु सोनी ने भी बाबिल की पोस्ट को लाइक किया है। फैंस ने भी बाबिल को अपना सपोर्ट दिया है। एक यूजर ने लिखा, 'चलो भाई हो गया जो होना था, अब फिल्में करो, कविता लिखो, अपनी आर्ट को बाहर निकालो। मूव ऑन करो, अपनी विरासत को आगे बढ़ाओ।' इस तरह के सपोर्टिंग कमेंट्स कई फैंस बाबिल के लिए करते दिखाई दिए।

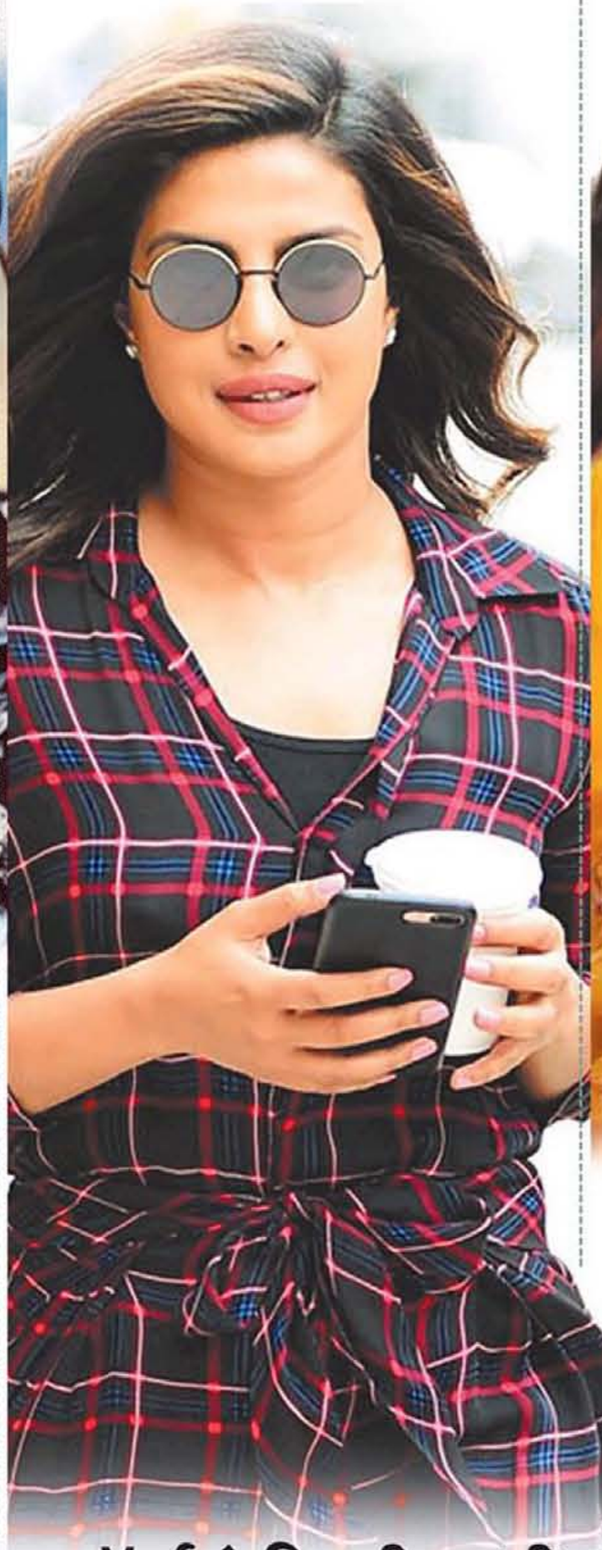

न्यूयॉर्क से दिल्ली पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा; राजामौली की फिल्म की शूटिंग करेंगी

प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में कुछ फोटो पोस्ट कीं। वह न्यूयॉर्क से दिल्ली पहुंची हैं। दिल्ली की खूबसूरती ने प्रियंका दिल जीत लिया है। जल्द ही वह साउथ की एक मेगा बजट फिल्म का शूटिंग शेड्यूल पूरा करेंगी। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'कभी लगता है कि मैं प्लेन में रहती हूं।' आगे वह दिल्ली पहुंचने की फोटो शेयर करती हैं। इसके बाद कार में बैठकर दिल्ली की खूबसूरत को अपने फोन के कैमरे में कैद करती हैं। साथ ही कैप्शन लिखती हैं, 'दिल्ली की खूबसूरती।' ऐसा लगता है कि भारत आकर प्रियंका का मन खुशी से फूला नहीं समा रहा है।

विज्ञापन

राजामौली की फिल्म की शूटिंग करेंगी

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एस एस राजामौली की फिल्म 'SSMB29' का अगला शूटिंग शेड्यूल पूरा करेंगी। वह पहले भी इस फिल्म की शूटिंग के लिए भारत आ चुकी हैं। इस

फिल्म में साउथ के पॉपुलर एक्टर महेश बाबू लीड रोल में हैं। फिल्म को बहुत बड़ा स्तर पर बनाया जा रहा है। शूटिंग को पूरी तरह से सीक्रेट रखा गया है।

निक जोनस संग दिवाली पार्टी मनाकर आई

सोमवार को प्रियंका चोपड़ा दिल्ली पहुंचीं। लेकिन रविवार को वह न्यूयॉर्क में पति निक जोनस के साथ एक दिवाली पार्टी में भी नजर आईं। दिवाली पार्टी में प्रियंका चोपड़ा का लुक काफी चर्चा में रहा। प्रियंका ने पिछले दिनों निक के लिए करवाचौथ का व्रत भी किया था। सेलिब्रेशन, वेकेशन से जुड़ी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

पूजा हेगड़े का कौन सा सीक्रेट जानना चाहते हैं वरुण धवन? खास अंदाज में किया बर्थ डे विश

पूजा हेगड़े ने सोमवार को अपना 35वां जन्मदिन मनाया है। वरुण धवन ने अपनी इस को-एक्ट्रेस को एक दिन देर से बर्थ डे विश किया। लेकिन वरुण धवन ने अलग ढंग से पूजा को बर्थ डे विश किया है। एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में वरुण ने शेयर किया, उस पर एक खास सीक्रेट को सबसे साथ शेयर करने की रिक्वेस्ट पूजा हेगड़े से की।

अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर वरुण धवन लिखते हैं, 'हैप्पी बर्थ डे पूजा जी। प्लीज, अपने ब्यूटी सीक्रेट बताएं। दुनिया के लिए इतनी बुरी बनना बंद कर दें।' वरुण ने जो वीडियो पूजा का बनाया है, उसमें वह अपना स्किन केयर कर रही हैं। वह पूजा की मेकअप आर्टिस्ट से सीक्रेट ब्यूटी प्रोडक्ट के बारे पूछते हैं, तो वह बताने से इंकार कर देती हैं। इस इस फिल्म में नजर आएंगे पूजा और वरुण वरुण धवन और पूजा हेगड़े

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आएंगे। इस फिल्म में मौनी रॉय भी नजर आएंगी। फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा बता जा रही है। वरुण धवन की हाल ही में एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' भी रिलीज हुई, जो बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी है। इस फिल्म में वरुण के साथ जान्हवी कपूर नजर आईं।

कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम' में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी मौनी

पिछले साल मौनी ने कई प्लेटफॉर्म्स और फॉर्मेट्स में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से साबित किया कि वे किसी भी रोल में जान डाल सकती हैं। अब वे बिना किसी ब्रेक के एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट पर तेज़ी से कदम रख रही हैं। उन्होंने 'द भूतोनी' और 'सलाकार' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया और एक बार फिर एक अभिनेत्री के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी आने वाली फ़िल्मों का लाइनअप भी उतनी ही प्रभावशाली हैं – वह जल्द ही कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम' में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी, मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स' में फिर से नज़र आएंगी, और वरुण धवन के साथ 'है जवानी तो इश्क होना है' में स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। हर प्रोजेक्ट में उनकी प्रतिभा का एक अलग पहलू दिखाई देता है, चाहे वो ड्रामा हो, वॉइस एक्टिंग हो या एनर्जेटिक डांस परफॉर्मेंस। लेकिन शायद मौनी के पहले से ही बिजी शेड्यूल का सबसे रोमांचक हिस्सा है उनका पहला टॉलीवुड डेब्यू – मेगास्टार चिरंजीवी के साथ फिल्म 'विश्वंभरा' में। यह कदम उन्हें न सिर्फ एक प्रतिभाशाली बल्कि एक भरोसेमंद स्टार के रूप में और मज़बूत करता है।

बिहार पर बेस्ड होगी सोनू सूद की अगली फिल्म

गरीबों के मसीहा के रूप में लोकप्रिय अभिनेता सोनू सूद आज रविवार को बिहार की राजधानी पटना पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी आगामी फिल्म पर पत्ते खोले और कहा कि उनकी अगली फिल्म बिहार राज्य पर बेस्ड है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बिहार से उनका गहरा कनेक्शन है।

बातचीत में सोनू सूद ने कहा, अपनी मिट्टी से एक अलग ही लगाव है। वापस आया हूं और आता ही रहूंगा। उन्होंने यह भी बताया कि वह बिहार पर एक फिल्म बना रहे हैं। एक्टर ने कहा ,इवेंट भी होने वाला है..स्टार्ट भी करने वाले हैं..पटना अपनी मिट्टी है और जो अगली फिल्म भी कर रहा हूं वो बिहार पर आधारित है।

सोनू सूद के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें जोधा अकबर, सिम्बा और फतेह जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। उन्होंने एक्शन थ्रिलर फिल्म फतेह से निर्देशन में कदम रखा। इस फिल्म में सोनू सूद के साथ नसीरुद्दीन शाह, जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और दिव्येंदु भट्टाचार्य भी नजर आए। अपने फिल्मी करियर के अलावा सोनू सूद अपने चैरिटी कार्यों के लिए जाने जाते हैं।

वरुण धवन ने सच में छोड़ी नो एंट्री

बोनी कपूर ने बताया सच

बॉलीवुड में बीते कुछ दिनों से चर्चा थी कि अभिनेता वरुण धवन ने फिल्म 'नो एंट्री 2' से किनारा कर लिया है। सोशल मीडिया पर खबरें फैलने लगीं कि वरुण अब इस मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। लेकिन अब खुद फिल्म के निर्माता बोनी कपूर ने इन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ किया है कि वरुण धवन और अर्जुन कपूर दोनों ही फिल्म का हिस्सा बने हुए हैं और फिल्म की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

अफवाहों पर बोनी कपूर की सफाई

हाल ही में मीडिया में आई खबरों में दावा किया गया था कि वरुण धवन ने 'नो एंट्री 2' छोड़ दी है, जिसके बाद प्रशंसकों में निराशा फैल गई। इसी बीच बोनी कपूर ने एक बयान जारी कर स्थिति साफ की। जूम के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, हम 'नो एंट्री में एंट्री' बना रहे हैं और वरुण और अर्जुन दोनों ही फिल्म में हैं। हम बस तीसरे हीरो और बाकी कास्ट को फाइनल करने की प्रक्रिया में हैं। इस बयान के साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म के मूल कलाकारों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और टीम फिलहाल बाकी कलाकारों के चयन में व्यस्त है।

दिलजीत दोसांझ की एग्जिट से उठे सवाल

कुछ दिन पहले यह खबर भी सामने आई थी कि फिल्म से दिलजीत दोसांझ ने अपना नाम वापस ले लिया है। इस खबर के बाद ही लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया था कि शायद वरुण धवन ने भी फिल्म छोड़ दी हो। हालांकि बोनी कपूर ने इन सबको गलत साबित कर दिया।

बॉक्स ऑफिस के नतीजों से परे हैं कोंकणा सेन शर्मा

अभिनेत्री और फिल्ममेकर कोंकणा सेन शर्मा इन दिनों अपने नए शो सर्च- द नैना मर्डर केस को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज मशहूर डेनिश शो द किलिंग का भारतीय रूपांतरण है, जिसने इंटरनेशनल लेवल पर खूब सराहना पाई थी। इस हिंदी एडाप्टेशन का निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है। बातचीत में कोंकणा ने इस प्रोजेक्ट, अपने अनुभवों और निजी विचारों पर खुलकर बात की।

बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बहुत बड़ी चुनौती निभाने जैसा

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किए जाने पर पहला रिएक्शन क्या था, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि वह बहुत उत्साहित थीं। एक्ट्रेस बोलीं- आप कोई भी ओरिजनल सीरीज तभी करना चाहेंगे जब उसका स्क्रिप्ट और कहानी वाकई में अच्छी हो, वरना क्या फायदा। यह बहुत पुराने और फेमस शो का अडॉप्टेशन है। मैंने इसका अमेरिकन वर्ज़न भी देखा है, जिसके बहुत सारे प्रशंसक हैं। उस शो की जो डिटेक्टिव है, उसके तो लाखों फॉलोअर हैं। मुझे लगा कि यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बहुत बड़ी चुनौती निभाने जैसा। मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही थी कि मुझे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला। कोंकणा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का सबसे अच्छा हिस्सा यह था कि इसे रोहन सिप्पी डायरेक्ट कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, रोहन के साथ मैंने बहुत साल पहले काम किया था। वह बहुत रिलैक्स्ड और क्रिएटिव डायरेक्टर हैं। वह वैसे निर्माता नहीं हैं जो दूरी बना लें, बल्कि कलाकारों के साथ बहुत सहयोगी रहते हैं। हमने पहले भी साथ में कई अजीबो-गरीब और मजेदार चीजें की हैं। इसलिए जब उन्होंने इस बार मुझे एक गहरी, सोचने वाली, मूडी डिटेक्टिव के रूप में कास्ट किया, तो मैं बहुत खुश हुई। मैंने पहले कभी पुलिस का किरदार नहीं निभाया था, इसलिए मेरे लिए यह बिल्कुल नया और रोमांचक अनुभव था।

बॉक्स ऑफिस और बिज़नेस से कोई फर्क नहीं पड़ता

बॉक्स ऑफिस और बिज़नेस पहलू पर उन्होंने कहा, सच कहूं तो मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं ज्यादा रचनात्मक चीजों में दिलचस्पी रखती हूं। वैसे भी मैं बड़े बजट की फिल्मों में ज्यादा नहीं होती, तो पैसे या रिकवरी की चिंता नहीं रहती। मैं असल (हकीकत समझने वाली) अभिनेत्री हूं और बजट में फिट हो जाती हूं। वह हंसते हुए जोड़ती हैं, निर्माता जब मुझे लेते हैं, तो वे पहले ही अपना शोध कर चुके होते हैं। मैं उस हिस्से में दखल नहीं देती क्योंकि सच कहूं तो वह मेरा क्षेत्र नहीं है।

रियल लाइफ में भी थोड़ा वैसा ही बर्ताव करने लगती हूं

शूटिंग के अनुभवों पर बात करते हुए कोंकणा ने बताया कि इस शो के दौरान उन्होंने अपने किरदार से बहुत कुछ सीखा। इस बारे में उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मुझमें और इस किरदार में कई समानताएं हैं। मैं जब भी कोई किरदार निभाती हूं, तो उसमें अपने अंदर से कुछ न कुछ खोज लेती हूं। शायद मैं नैचुरली ऐसी ही हूं और फिर रियल लाइफ में भी थोड़ा वैसा ही बर्ताव करने लगती हूं। वह हंसते हुए कहती हैं, इस सीरीज की खासियत ही इसका तनाव और कैमरे के सामने की बारीक केमिस्ट्री है। यही चीज़ ओरिजनल में भी बहुत खास थी। उन्होंने अपने सह-कलाकार सूर्या शर्मा की भी खूब तारीफ की। सूर्या के साथ काम करना बहुत प्यारा अनुभव था। वह न केवल बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।

मेट्रो इन दिनों था आखिरी प्रोजेक्ट

कोंकणा सेन शर्मा आखिरी प्रोजेक्ट मेट्रो इन दिनों में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ पंकज त्रिपाठी, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली जफर, सान्या मल्होत्रा जैसे कलाकार मौजूद थे।

कॉमेडी और क्राइम का मिश्रण मेरा पसंदीदा जॉनर है

कोंकणा कई अलग-अलग शैलियों में काम कर चुकी हैं जैसे ड्रामा, क्राइम, कॉमेडी और स्वतंत्र सिनेमा। जब उनसे पूछा गया कि बतौर दर्शक वह किस तरह की कहानियां देखना पसंद करती हैं, तो उन्होंने कहा, मेरा कोई तयशुदा जॉनर नहीं है। कोई भी फिल्म या शो अगर अच्छा बना हो, तो मैं देख सकती हूं। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि वह कॉमेडी है या क्राइम। हां, हॉरर या अलौकिक चीजों से मुझे थोड़ा डर लगता है। पैरानॉर्मल एक्टिविटी जैसी फिल्में मैं कभी-कभी देखने से बचती हूं। वरना मुझे कॉमेडी भी बहुत पसंद है और क्राइम भी। शायद मैं कहूं कि कॉमेडी और क्राइम का मिश्रण मेरा पसंदीदा जॉनर है।

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध सरकार : डॉ. मीनाक्षी भराला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। मिशन शक्ति 5.0 के तहत बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग तथा महिला कल्याण विभाग गौतम बुद्ध नगर द्वारा ब्लॉक बिसरख में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम एवं पोषण पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला कार्यक्रम अधिकारी तरुण कुमार के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जनपद की विभिन्न क्षेत्रों से आई 09 महिलाओं की समस्याएं सुनीं। उन्होंने घरेलू हिंसा, भरण-पोषण, स्वास्थ्य, रोजगार, पोषण, परिवारिक विवाद आदि से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को इनके निस्तारण का निर्देश दिया गया।

जनसुनवाई के साथ-साथ पोषण पंचायत का भी आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय पोषण माह के तहत स्वस्थ नारी - सशक्त परिवार, विकसित भारत का आधार विषय पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज पुष्कर, जिला कार्यक्रम अधिकारी तरूण कुमार,बाल विकास परियोजना अधिकारी इफ्तिखार अहमद, संरक्षण अधिकारी विभा त्रिपाठी, वन स्टॉप सेंटर की प्रबंधक रिंकी रानी ,समस्त मुख्य सेविका पूनम,विनोद, प्रीति, अनीता, ऋतु, वंदना, अर्चना तथा पुलिस विभाग के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

उप्र महिला आयोग सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की समस्या होने पर प्रशासन से निर्भीक होकर संपर्क करें और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

25वें कैप्टन शशिकांत शर्मा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता बनी खुर्राट टीम

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा स्टेडियम, सेक्टर-21ए में खेले गए 25वें कैप्टन शशिकांत शर्मा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल मुकाबले में खुर्राट क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एस्टर क्रिकेट टीम को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।

फाइनल मैच में टॉस जीतकर एस्टर ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए खुर्राट टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 240/4 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के स्टार बल्लेबाज लखन सिंह ने बेहतरीन 70 रनों की पारी खेली, जबकि अभिषेक अशु ने 65 रन बनाए।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी एस्टर टीम 16.2 ओवर में ही 152 रन पर ऑलआउट हो गई। खुर्राट के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी की।

इस तरह खुर्राट टीम ने फाइनल मुकाबला 88 रनों से जीतकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। इस दौरान मैन ऑफ द मैच- लखन सिंह, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज ऑफ सीरीज़- सत्याम सांगू, मैन ऑफ द सीरीज़- सत्याम सांगू, सर्वश्रेष्ठ फील्डर ऑफ सीरीज़- सचिन भाटी रहे।

मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं विकेटकीपर बल्लेबाज़ सबा करीम, गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में कैप्टन शशिकांत शर्मा के परिवारजन पिता फ्लाइट लेफ्टिनेंट जे.पी. शर्मा, माता सुदेश शर्मा, भाई डॉ. नरेश शर्मा और उनकी पत्नी डॉ. संगीता शर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन एवं मानव सेवा समिति द्वारा किया गया था। आयोजन समिति में यू.के. भारद्वाज, सुभाष शर्मा, एम.एल.शर्मा, आज़ाद सिंह, एस.के.सरिन, आर.के. गोयल, नैवेद्य शर्मा, अतुल गौर, अशोक सुंधी, आर.के. शर्मा, खजान सिंह, अमन भारद्वाज, शुभम भारद्वाज, वैभव शर्मा, गोविंद शर्मा, शिवा भारद्वाज, सुरेखा गौर, सोनल शर्मा, पारुल शर्मा, कमलेश, स्वाति और वंदना जैसे कई प्रमुख सदस्य मौजूद रहे।

वंचित बच्चों की खास बनाई दिवाली

नोएडा (चेतना मंच)। सोच फाउंडेशन ने वंचित बच्चों के लिए दिवाली को खास बनाने की पहल की।

फाउंडेशन ने स्कूलों और अनाथालय में दीये और शैक्षिक सामग्री वितरित कर बच्चों के जीवन में रोशनी भरने का प्रयास किया ताकि शिक्षा की ज्योति से उनका भविष्य उज्ज्वल हो सके।

सोच फाउंडेशन की ट्रस्टी वंदना ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष दीपावली पर अनाथ एवं वंचित बच्चों के जीवन में खुशियां भरने का प्रयास किया जाता है। फाउंडेशन द्वारा प्रत्येक वर्ष दीपावली पर बच्चों को मिठाई, पटाखे एवं शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। इस बार भी फाउंडेशन द्वारा सेक्टर-116 तथा सर्फाबाद स्थित यशोदा पब्लिक स्कूल में वंचित बच्चों को दीपावली के उपहार के रूप में मिठाई, पटाखे तथा शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। मिठाई, पटाखे व शैक्षणिक सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे पर खुशी अलग ही दिख रही थी।

ट्रस्टी वंदना ने बताया कि सोच फाउंडेशन बच्चों और औरतों के लिए कार्य कर रही है। दिल्ली, एनसीआर कोलकाता में फाउंडेशन द्वारा कैंसर पीड़ित महिलाओं को भी इलाज मुहैय्या कराया जा रहा है। इस अवसर पर ट्रस्टी संदीप गुप्ता भी मौजूद थे।

डॉ कलाम की जयंती सपाईयों ने मनाई

नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर द्वारा भारतरत्न व पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर कार्यकर्ताओं ने उन्हें नमन किया। सपाईयों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

सेक्टर-33 स्थित अग्रसेन भवन में महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं ने भारत रत्न डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर उनके व्यक्तित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला और देश के लिए उनकी उपलब्धियां को याद कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर नवनियुक्त सपा नोएडा महानगर अल्पसंख्यक सभा के अध्यक्ष अली शेर ने अपनी कमेटी की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि कमेटी में मनोवर खान को महासचिव, सिराजुद्दीन को उपाध्यक्ष, नजाकत, जराकत, जाकिर को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। लोहिया वाहिनी सपा नोएडा विधानसभा के नवनियुक्त प्रभारी रविंदर यादव ने वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आगामी रूपरेखा के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में सपा नोएडा महानगर के महासचिव विकास यादव, प्रदेश सचिव सुनील चौधरी, मुकेश यादव, बबलू चौहान, जयकरण चौधरी, गौरव चाचरा, वीरपाल प्रधान, भीष्म यादव,राजेश अंबाबत, जयवीर बाबा, मनोज गोयल, महकार तंवर, रविंद्र यादव, रामवीर यादव,अली शेर, राणा मुखर्जी, हरपाल सिंह, लोकेश यादव, बबली शर्मा, नकुल चौहान,रेणुका मेथी, विपिन चौहान, लोकपाल यादव, मोहित यादव, अच्छे मियां, नीरज चौटाला, महावीर,निरोही कृष्ण कुमार कमल, रंजन कुमार, रवि कुमार, महेश जाटव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा नेता की माताजी की पुण्यतिथि पर हवन

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य तथा वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रांत यादव की स्वर्गीय माता श्रीमती शांति देवी की द्वितीय पुण्यतिथि पर हवन एवं ब्रह्म भोज का आयोजन किया गया। सहसवान में हुए इस कार्यक्रम में कई राजनीतिक हस्तियों तथा क्षेत्र के लोगों ने हिस्सा लेकर स्वर्गीय शांति देवी को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद डीपी यादव ने अपनी भाभी स्वर्गीय श्रीमती शांति देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया उन्होंने कहा कि उनकी भाभी शुरू से ही धार्मिक प्रवृत्ति की थी और वह सदैव जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए तत्पर रहती थी।

स्वर्गीय श्रीमती शांति देवी के सुपुत्र वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व एमएलसी जितेंद्र यादव तथा वरिष्ठ भाजपा नेता विक्रांत यादव ने कहा कि वह अपने स्वर्गीय माता पिता के बताए रास्ते पर चलने का प्रयास कर रहे हैं। स्वर्गीय शांति देवी की स्मृति में प्रत्येक माह सहसवान ब्लाक में भंडारे का आयोजन किया जाता है।

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा, बिल्सी विधायक हरीश शाक्य, जिला अध्यक्ष राजीव गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वर्षा यादव एवं ब्लॉक प्रमुख सहसवान श्रीमती कृति यादव ने भी उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस मौके पर नोएडा, ग्रेटर नोएडा, बदायूं ,सहसवान से भी उपस्थित अनेक लोगों ने स्वर्गीय शांति देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस ने वार्षिक स्मारिका का किया विमोचन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्ध नगर द्वारा दीपावली पर्व के मौके पर दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन ग्रेटर नोएडा के वाईएमसीए परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम में जिलेभर से कांग्रेस पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस मौके पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और नफरत पर प्रेम की जीत का प्रतीक है। कांग्रेस पार्टी हमेशा उस भारत की परंपरा का प्रतिनिधित्व करती है जहाँ सबको साथ लेकर चलना, सबको जोड़ना और समाज में प्रेम फैलाना हमारी पहचान रही है। भाजपा की विभाजनकारी नीतियों के बीच कांग्रेस ही वह शक्ति है जो सबको जोड़ने का काम कर रही है।

जिला कांग्रेस समन्वयक जोगश नेहरा ने भी इस मौके पर अपने विचार रखे।

दीपावली मिलन के कार्यक्रम में जिला कांग्रेस की वार्षिक स्मारिका का विमोचन करते हुए जिले के वरिष्ठ पत्रकार और बुद्धिजीवियों को सम्मानित किया गया।

दीपावली मिलन कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला संगठन प्रभारी मुकेश शर्मा,निशा शर्मा, रिजवान चौधरी, संदीप नागर,रघुराज शर्मा,गौतम सिंह, रीमा नैयर,कपिल भाटी,आर के प्रथम, कैलाश बंसल,पुनीत कुमार मावी,नीरज लोहिया, रूबी चौहान, देवेश चौधरी,मोहम्मद तकि,रमेश वाल्मीकि, सुबोध भट्ट,नरेश कुमार शर्मा,सचिन शर्मा, नीरज शर्मा,मोहम्मद तनवीर अहमद,सचिन जीनवाल, विपिन त्यागी,अरविन्द रेक्सवाल, सतीश चंद्र वाल्मीकि,अमित कुमार,सूबेदार सतपाल सिंह, धर्मवीर सिंह प्रधान,धर्म सिंह जीनवाल, अरुण गुर्जर,गौरव वशिष्ठ,हरेंद्र शर्मा, हरकेश चौधरी,भगवती शर्मा,अशोक पंडित, दुष्यंत नागर, श्रुति कुमारी,अजय पहलवान,धीरे सिंह, रमेश चंद जीनवाल,मेहरचंद वाल्मीकि, दयानन्द नागर,शिव चौटाला,अधिवक्ता प्रिंस भाटी, अमित कुमार वर्मा,बीनू नेता जी,मोहित भाटी एडवोकेट,जगदीश,सुमित अत्रि,अजय कुमार, प्रबुद्ध कुमार जोशी,राजन वाल्मीकि,पवन भाटी एडवोकेट,सुमित नागर,जीतेन्द्र शर्मा,ज्ञान सिंह, कपिल खारी आदि लोग उपस्थित थे।

किसान दिवस में शिकायतों का निपटारा

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद के कृषकों की कृषि से सम्बंधित समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से विकास भवन स्थित सभागार कक्ष में किसान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में किसान दिवस सम्पन्न हुआ।

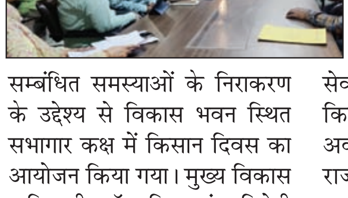

किसानों की अधिकांश समस्याओं का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया व 5 कृषकों की शिकायतों के निराकरण के लिए कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई। बैठक में कृषि विभाग के अधिकारियों ने फार्मर रजिस्ट्री विषय पर कृषकों को विस्तृत जानकारी प्रदान कर जागरूकता का संदेश दिया। पशुचिकित्सा विभाग द्वारा स्वदेशी गाय पालन, कृत्रिम गर्भाधान, भेड़-बकरी एवं शुकर पालन योजनाओं पर जानकारी दी गई, साथ ही टीकाकरण एवं पशु एंबुलेंस सेवाओं से संबंधित विवरण साझा किए गए। किसान दिवस के अवसर पर उप कृषि निदेशक राजीव कुमार, कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, दुग्ध विकास, सिंचाई, ऊर्जा तथा एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारियों सहित जनपद की कृषक बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उप कृषि निदेशक, गौतमबुद्ध नगर राजीव कुमार ने सभी कृषकों एवं विभागीय अधिकारियों का धन्यवाद दिया।